भाग–1

इतिहास (History)

A. प्राचीन इतिहास (Ancient History)

1. पाषाण काल (Stone Age)

1. भीमबेटका, पुरापाषाण काल का एक प्रसिद्ध स्थल, भारत के किस राज्य में स्थित है?

(a) बिहार (b) उत्तर प्रदेश

(c) राजस्थान (d) मध्य प्रदेश

SSC CGL (Tier-II) – 02/03/2023

Ans. (d) : भीमबेटका पुरापाषाण काल का एक प्रसिद्ध स्थल है जो भारत के मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में स्थित है। यहाँ के चित्र भारतीय उपमहाद्वीप में मानव जीवन के प्राचीनतम चिह्न है। इसकी खोज 1957-58 में डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा की गई थी। इसे वर्ष 2003 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

2. सेल्ट एक (celt) नवपाषाणकालीन _____है।

(a) एक घर (b) एक उपकरण

(c) एक मकबरा (d) एक कलश

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : सेल्ट एक (celt) नवपाषाणकालीन उपकरण है। पुरापाषाण काल के विपरीत इस अवधि में लोगों ने पॉलिश किए गए पत्थर के औजारों और कुल्हाड़ियों का उपयोग करना शुरू किया, जिन्हें सेल्ट कहा जाता था।

3. 'जोर्वे कल्चर' एक चालकोलिथिक पुरातात्विक स्थल था, जो वर्तमान समय में निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य में स्थित है?

(a) महाराष्ट्र (b) असम

(c) गुजरात (d) बिहार

SSC CGL (Tier-I) – 11/06/2019 (Shift-I)

Ans. (a) : जोर्वे संस्कृति ताम्रपाषाण कालीन संस्कृति है। एम. एन. देश पाण्डे ने इस संस्कृति की खोज की थी। 'जोर्वे' महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर जिले में गोदावरी नदी की सहायक नदी 'प्रवरा' के तट पर स्थित एक गाँव एवं पुरातात्विक स्थल है जहाँ पर जोर्वे संस्कृति के अवशेष प्राप्त हुए हैं। जोर्वे संस्कृति प्रमुख रुप से पश्चिमी महाराष्ट्र में विकसित हुई। जोर्वे संस्कृति के प्रमुख स्थल हैं- चन्दोली, सोनगाँव, इमामगाँव, जोर्वे, नासिक तथा दायमाबाद आदि। जोर्वे संस्कृति का समय काल 1400 ई.पू. से 700 ई.पू. तक माना जाता है।

2. सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilisation)

4. निम्नलिखित में से कौन सा हड़प्पा स्थल हरियाणा में है?

(a) राखीगढ़ी (b) कालीबंगा

(c) लोथल (d) धोलावीरा

SSC CGL (Tier-I) 12/04/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : हरियाणा के जीन्द जिले में प्राचीन सरस्वती के तट पर स्थित राखीगढ़ी की खोज 1969 ई. में सूरजभान ने की थी। यह हड़प्पा सभ्यता का सबसे विशाल नगर है। इस स्थल से मनकों को चिकना करने का घर्षण पत्थर, हाथी दाँत, बारहसिंहा के सींग मनका बनाने की कार्यशाला आदि प्राप्त हुए हैं।

3. वैदिक सभ्यता (Vedic Culture)

5. भरत जन के नाम पर इंडिया का नाम 'भारत' रखा गया। निम्नलिखित में से किस वेद में इस जन का सर्वप्रथम उल्लेख मिलता है?

(a) यजुर्वेद (b) ऋग्वेद

(c) अथर्ववेद (d) सामवेद

SSC CGL (Tier-II) – 07/03/2023

Ans. (b) : ऋग्वेद में सर्वप्रथम 'भरत जन' का उल्लेख मिलता है, जिसके नाम पर इंडिया का नाम 'भारत' रखा गया। ऋग्वेद प्राचीनतम वेद माना जाता है। इसमें कुल 10 मंडल तथा 1028 सूक्त है। इस वेद को पढ़ने वाले ऋषि को 'होतृ' कहते है। ऋग्वेद का पहला एवं 10 वाँ मंडल सबसे अंत में जोड़ा गया।

6. लौह-युग को यह नाम इसलिए दिया गया है, क्योंकि इस समय के दौरान मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्वी यूरोप में औजारों और हथियारों में मुख्य रूप से ..... की जगह लोहे का इस्तेमाल होने लगा था।

(a) पीतल (b) पत्थर

(c) लकड़ी (d) काँसा

SSC CGL (Tier-1) – 27/07/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : लौह-युग को यह नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि इस समय के दौरान मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्वी यूरोप में औजारों और हथियारों में मुख्य रूप से काँसा की जगह लोहे का इस्तेमाल होने लगा था।

7. निम्नलिखित में से किस वेद में दशराज्ञ युद्ध (दस राजाओं के युद्ध) का उल्लेख है?

(a) अथर्ववेद (b) सामवेद
(c) ऋग्वेद (d) यजुर्वेद

SSC CGL (Tier-1) – 21/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (c) : दसराज्ञ युद्ध (दस राजाओं का युद्ध) का वर्णन ऋग्वेद में 7वें मंडल में है। यह परुषणी नदी के तट पर लड़ा गया। इसमें भरत जन के राजा सुदास ने दश राजाओं के संघ को हराया।

8. चार वेदों में से किसमें बुरी आत्माओं और बीमारियों से बचने के लिए जादू मंत्र और तंत्र-मंत्र का संग्रह है?

(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद
(c) अथर्ववेद (d) साम वेद

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-II)

Ans. (c): चार वेदों में से अथर्ववेद में बुरी आत्माओं और बीमारियों से बचने के लिए जादू मंत्र और तंत्र-मंत्र का संग्रह है। अथर्वा ऋषि द्वारा रचित इस वेद में कुल 731 मंत्र तथा लगभग 6000 पद्य हैं।

9. आर्यों की मुख्य (प्रमुख) सामाजिक इकाई ____ थी।

(a) परिषद (b) गण
(c) राजन (d) जन

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : आर्यों की मुख्य (प्रमुख) सामाजिक इकाई 'जन' थी। आर्यों की प्रशासनिक इकाई पाँच भागों (आरोही क्रम) में बटी थी- कुल, ग्राम, विश्, जन, राष्ट्र। ग्राम का मुखिया ग्रमिणी, विश् का प्रधान विशपति एवं जन के शासक राजन कहलाते थे।

10. उत्तर वैदिक काल में निम्नलिखित में से कौन-सा वर्ण मुख्य रूप से खेती, पशुपालन और व्यापार जैसे काम करता था?

(a) क्षत्रिय (b) वैश्य
(c) ब्राह्मण (d) शूद्र

SSC CGL (Tier-1) – 25/07/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : उत्तर वैदिक काल में वैश्य वर्ण मुख्य रूप से खेती, पशुपालन और व्यापार जैसे काम करता था। ब्राह्मण, क्षत्रिय तथा वैश्य की सेवा करना शूद्र का काम था। इस काल में वर्ण व्यवस्था जन्म के आधार पर निर्धारित होने लगी थी।

11. वैदिक आर्य सप्त-सिंधु नामक क्षेत्र में रहते थे, जिसका अर्थ सात नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र है। सात नदियों में से एक झेलम नदी है। इसका प्राचीन नाम क्या था?

(a) परूष्णि (b) विपाश
(c) अस्किनी (d) वितस्ता

SSC CGL (Tier-1) – 14/07/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : वैदिक आर्य सप्त-सिंधु नामक क्षेत्र में रहते थे, जिसका अर्थ सात नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र है। सात नदियों में से एक झेलम नदी है। इसका प्राचीन नाम वितस्ता था।

12. ऋग्वेद में ऋषि विश्वमित्र और देवी के रूप में पूजी जाने वाली दो नदियों के बीच संवाद के रूप में एक भजन है। ये कौन सी नदियाँ हैं?

(a) रावी और चिनाब (b) अलकनंदा और भागीरथी
(c) व्यास और सतलुज (d) गंगा और यमुना

SSC CGL (Tier-I) 13/04/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : ऋग्वेद में ऋषि विश्वमित्र और देवी के रूप में पूजी जाने वाली दो नदियों के बीच संवाद के रूप में एक भजन है। ये नदियाँ व्यास और सतलुज हैं।

13. अथर्ववेद _____ खण्डों का संग्रह है।

(a) 5 (b) 10
(c) 15 (d) 20

SSC CGL (Tier-I) 11/04/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : अथर्ववेद 20 खण्डों का संग्रह है। 731 सूक्त व लगभग 6000 ऋचाएँ हैं। चाँदी का उल्लेख सर्वप्रथम इसी में मिलता है।

14. निम्नलिखित में से किस नदी को वैदिक काल में पुरुषनी के नाम से जाना जाता था?

(a) चिनाब (b) सतलज
(c) व्यास (d) रावी

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-II)

Ans. (d) : रावी नदी को वैदिक काल (ऋग्वैदिक काल) में परुष्णी के नाम से जाना जाता था। दसराज्ञ युद्ध का उल्लेख ऋग्वेद के 7 वें मंडल में है, यह युद्ध परुष्णी नदी के तट पर सुदास एवं दस जनों के बीच लड़ा गया, जिसमें सुदास विजयी हुआ। रावी नदी हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में रोहतांग दर्रे से निकलकर हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर तथा पंजाब होते हुए पाकिस्तान में चली जाती है।
अस्किनी को चिनाब, शतुद्रि को सतलज तथा विपाशा को व्यास के आधुनिक नाम से जाना जाता है।

15. निम्नलिखित में से कौन साथ विद्वान आर्यो के 'तिब्बत होम थ्योरी' से संबंधित है?

(a) मैक डोनेल (b) मैक्स मूलर
(c) दयानन्द सरस्वती (d) बाल गंगाधर तिलक

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-III)

Ans. (c) : आर्यो के उद्गम स्थान के बारे में कई विचार प्रचलित है–
दयानन्द सरस्वती–आर्यो का उद्गम स्थान तिब्बत था।
मैक्स मूलर–आर्यो का उद्गम स्थान मध्य एशिया था।
गाइल्स और मैकडॉनेल–आर्यो का उद्गम स्थान दक्षिण-पूर्वी यूरोप है।
बाल गंगाधर तिलक–आर्यो का उद्गम स्थान उत्तरी-ध्रुव है।

16. कुल कितने वेदांग हैं?

(a) दो (b) छह
(c) पांच (d) दस

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : वेदों को भली-भाँति समझने के लिए 6 वेदांगों की रचना हुई-

1. शिक्षा	–	स्वर शास्त्र (Phonology) (नॉक)
2. ज्योतिष	–	ज्योतिष शास्त्र (Astrology)(आँख)
3. कल्प	–	अनुष्ठान शास्त्र (Ritual)(हाथ)
4. व्याकरण	–	व्याकरण शास्त्र (Grammar)(मुख)
5. निरूक्त	–	शब्द की उत्पत्ति का अध्ययन (Study of history of word) (कान)
6. छंद	–	कविता के छंद (Poetic meters)(पैर)

17. भारत में वैदिक सभ्यता ——— नदी के किनारे विकसित हुई थी।

(a) तापी (b) गोदावरी
(c) नर्मदा (d) सरस्वती

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (d): भारत में वैदिक सभ्यता सरस्वती नदी के किनारे विकसित हुई थी। ऋग्वेद में सरस्वती नदी को नदियों की अग्रवती, नदियों की माता, वाणी, प्रार्थना एवं कविता की देवी, बुद्धि को तीव्र करने वाली और संगीत की प्रेरणादायी कहा गया है। सरस्वती नदी ऋग्वेद की सबसे पवित्र नदी मानी जाती थी। इसे नदीतमा (नदियों की माता) कहा गया है। सरस्वती नदी अब राजस्थान के रेगिस्तान में विलीन हो गई है।

4. महाजनपदों का उदय (Emergence of Mahajanapadas)

18. मगध महाजनपद ..... नदियों से घिरा हुआ था।

(a) गंगा और घाघरा (b) गंगा और झेलम
(c) गंगा और यमुना (d) गंगा और सोन

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : मगध चारों ओर से गंगा और सोन नदियों से घिरा हुआ था। ये नदियाँ जल यातायात, जल आपूर्ति तथा सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण थीं। मगध आधुनिक बिहार के पटना और गया जिलों के भूभाग पर अवस्थित था। इसकी प्राचीन राजधानी गिरिव्रज थी, बाद में राजगृह व पाटलिपुत्र बनी।

19. वज्जी महाजनपद की राजधानी _____ थी।

(a) चंपा (b) वैशाली
(c) कोशल (d) पाटिलपुत्र

SSC CGL (Tier-1) – 19/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (b) : वज्जी महाजनपद की राजधानी वैशाली थी-

महाजनपद	-	राजधानी
अंग	-	चंपा
मगध	-	राजगृह, पाटलिपुत्र
वत्स	-	कौशाम्बी
कोसल	-	श्रावस्ती (सहेत-महेत)
मल्ल	-	कुशीनारा/पावा
अश्मक	-	पोतन
कम्बोज	-	हाटक

20. भगवान गौतम बुद्ध के जीवन काल के दौरान सातवीं और छठीं शताब्दी ईसा पूर्व में कितनी महान शक्तियाँ (महाजनपद) अस्तित्व में थीं?

(a) 11 (b) 13
(c) 17 (d) 16

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-II)

Ans : (d) गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक ग्राम पर हुआ था। गौतम बुद्ध के जीवनकाल के दौरान छठीं एवं सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व में भारत में 16 महान शक्तियाँ (महाजनपद) अस्तित्व में थे जो निम्नवत् हैं-

महाजनपद		राजधानी
1. वत्स	→	कौशाम्बी
2. काशी	→	वाराणसी
3. अंग	→	चम्पा
4. मगध	→	गिरिव्रज (राजगृह)
5. वज्जि	→	वैशाली/मिथिला/ विदेह
6. कोशल	→	श्रावस्ती
7. अवन्ति	→	उज्जैन/महिष्मती
8. मल्ल	→	कुशावती/कुशीनारा
9. पांचाल	→	अहिच्छत्र/कांपिल्य
10. चेदि	→	शक्तिमती/सूक्तिवती
11. कुरू	→	इंद्रप्रस्थ
12. मत्स्य	→	विराटनगर
13. गान्धार	→	तक्षशिला
14. अश्मक	→	पोटन/पोटली (द. भारत में)
15. शूरसेन	→	मथुरा
16. कम्बोज	→	हाटक/राजपुर

21. निम्नलिखित में से कौन-सा राजशाही राज्यों में एक नहीं हैं जो कि सातवीं और छठी सदी के शुरू में ईसा पूर्व भारत में मौजूद है?

(a) मगध (b) वैशाली
(c) अवंती (d) कोशल

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-II)

Ans: (b) महाजनपद काल में वज्जि (वैशाली) व मल्ल (कुशावती) संघ थे ऐसे राज्यों का शासन राजा द्वारा न होकर गण/संघ द्वारा होता था, जबकि महाजनपद राजाओं द्वारा शासित होते थे परन्तु कुछ में अलग प्रकार की शासन व्यवस्था थी।

22. प्राचीन चंपा शहर को ___महाजनपद की राजधानी माना जाता है।

(a) काशी (b) मत्स्य
(c) अंग (d) वज्जि

SSC CGL (Tier-I) 21/04/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : प्राचीन चंपा शहर को अंग महाजनपद की राजधानी माना जाता है।

5. मगध का उत्कर्ष (Emergence of Magadh)

23. हर्यंक वंश से मगध के पहले शासक ——— थे।

(a) बिम्बिसार (b) अशोक
(c) प्रसेनजित (d) अजातशत्रु

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-III)

Ans. (a) : हर्यंक वंश का संस्थापक बिम्बिसार मगध की गद्दी पर 544 ई. पू. में बैठा था। वह बौद्ध धर्म का अनुयायी था। बिम्बिसार ने गिरिव्रज (राजगृह) का निर्माण कर उसे अपनी राजधानी बनाया तथा इसने मगध पर 52 वर्षों तक शासन किया था। बिम्बिसार की हत्या उसके ही पुत्र अजातशत्रु ने कर दी तथा 492 ई. पू. में मगध की गद्दी पर बैठा।

24. निम्नलिखित में से कौन नंद वंश का अंतिम शासक था?

(a) घनानंद (b) पांडुका
(c) गोविषाणक (d) कैवर्त

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-II)

Ans. (a) : नंद वंश का संस्थापक महापद्मनंद था। पुराणों में महापद्मनंद को सर्वक्षत्रांतक (क्षत्रियों का नाश करने वाला) तथा भार्गव (परशुराम का अवतार) कहा गया है उसने 'एकराट' और 'एकच्छत्र' की उपाधि धारण की। महापद्मनंद के आठ पुत्रों में घनानंद नंद वंश का अंतिम शासक था। इसी के समय सिकन्दर (325 ई.पू.) ने पश्चिमोत्तर भारत पर आक्रमण किया था। ग्रीक लेखकों ने घनानंद को 'अग्रमीज' कहा है। 322 ई.पू. में चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु चाणक्य की सहायता से घनानंद की हत्या कर मौर्यवंश के शासन की नीव डाली।

25. हर्यंक वंश का शासक अजातशत्रु किस का पुत्र था?

(a) अनिरुद्ध (b) उदयिन
(c) बिंबिसार (d) नागा-दसक

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : हर्यंक वंश का शासक अजातशत्रु, बिम्बिसार का पुत्र था। अजातशत्रु 492 ई. पू. में अपने पिता बिम्बिसार की हत्या करके गद्दी पर बैठा। अजातशत्रु का उपनाम कुणिक था तथा प्रारम्भ में वह जैन धर्म का अनुयायी था परन्तु बाद में इसने बौद्ध धर्म अपना लिया। इसने राजगृह में स्तूपों का निर्माण करवाया और 483 ई. पू. राजगृह की सप्तपर्णी गुफा में प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन किया।

26. राजा अजातशत्रु _____वंश के शासक थे।

(a) मौर्य (b) शिशुनाग
(c) हर्यक (d) नंद

SSC CGL (Tier-I) 18/04/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : राजा अजातशत्रु हर्यक वंश के शासक थे।

27. चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में, मगध की राजधानी को —— स्थानांतरित कर दिया गया था।

(a) मथुरा (b) पाटलिपुत्र
(c) वाराणसी (d) पानीपत

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : बिहार की राजधानी पटना का पुराना नाम पाटलिपुत्र है। सम्राट अजातशत्रु के उत्तराधिकारी उदयिन ने अपनी राजधानी को राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित किया और बाद में चन्द्रगुप्त मौर्य ने यहाँ साम्राज्य स्थापित कर अपनी राजधानी बनाई। जिससे पाटलिपुत्र सत्ता का केन्द्र बन गया। फाहियान ने अपने यात्रा वृतान्त मे उसका जीवन्त वर्णन किया और मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र नगर का प्रथम लिखित विवरण दिया।

6. जैन धर्म/बौद्ध धर्म/भागवत/शैव धर्म (Jainism/Buddhism/ Bhagvatism/Shaivism)

(i) जैन धर्म (Jainism)

28. जैन दर्शन शास्त्र के अनुसार, 'जिन' शब्द का अर्थ —— होता है।

(a) ईश्वर (b) विजेता
(c) बंधनों से मुक्ति (d) योग्य

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-III)

Ans. (b) : जैन दर्शन के अनुसार 'जिन' शब्द का अर्थ विजेता होता है।

ii. बौद्ध धर्म (Buddhism)

29. ___बौद्ध धर्म में भिक्षुणी बनने वाली प्रथम महिला थीं।

(a) महाप्रजापति गौतमी (b) सुजाता
(c) संघमित्रा (d) धाम्मानंद भिक्षुणी

SSC CGL (Tier-1)– 18/07/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : महात्मा बुद्ध की मौसी (पालनकर्ता) महाप्रजापति गौतमी पहली महिला थी, जिन्हें प्रिय शिष्य आनन्द के कहने पर भिक्षुणी के रूप में चुना गया था।

30. 'त्रिपिटक' धर्म ग्रन्थ का संबंध किस धर्म से है?

(a) हिन्दू (b) जैन
(c) पारसी (d) बौद्ध

SSC CGL (TIER-1) 06-09-2016, 10 am

Ans : (d) तीन भागों में विभाजित त्रिपिटक (विनयपिटक, सुत्तपिटक, अभिधम्मपिटक) बौद्ध धर्म का प्रमुख ग्रन्थ है। त्रिपिटक में महात्मा बुद्ध के बुद्धत्व (ज्ञान) प्राप्त करने से लेकर महापरिनिर्वाण तक दिये हुए प्रवचनों का संकलन किया गया है। सुत्तपिटक में बुद्ध के उपदेश तथा विचार मिलते हैं, विनयपिटक में बौद्ध संघ के नियम एवं विधान है तथा अभिधम्मपिटक में बौद्ध दर्शन की जानकारी मिलती है। यह पालि भाषा में लिखा गया है जबकि हिन्दुओं का प्रमुख ग्रन्थ-गीता, जैनों का आगम तथा पारसियों का जिन्द अवेस्ता है।

7. मौर्य साम्राज्य (Mauryan Empire)

31. कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत में ''अमात्य'' निम्नलिखित में से किसे दर्शाता है?

(a) क्षेत्र (b) मित्र
(c) मंत्री और अधिकारी (d) किला

SSC CGL (Tier-1) – 19/07/2023 (Shift-III)

Ans. (c) : कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत में 'अमात्य' से तात्पर्य मंत्री और अधिकारी से था। यह राज्य का दूसरा महत्वपूर्ण अंग था जिसके बिना राजा द्वारा शासन संचालन कठिन ही नहीं, असंभव था। अमात्यों की संख्या राजा की इच्छा पर निर्भर थी।

32. निम्नलिखित में से किस मौर्य शासक ने कलिंग पर विजय प्राप्त की थी?

(a) बृहद्रथ (b) बिन्दुसार
(c) चन्द्रगुप्त मौर्य (d) अशोक

SSC CGL (Tier-1) – 21/07/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : मौर्य शासक अशोक ने राज्याभिषेक के आठवें वर्ष (261 ई.पू.) में अशोक ने कलिंग पर विजय प्राप्त की थी। कलिंग युद्ध तथा उसके परिणामों के विषय में अशोक के तेरहवें शिलालेख से विस्तृत सूचना प्राप्त होती है। विजयोपरान्त कलिंग में दो अधीनस्थ प्रशासनिक केन्द्र स्थापित किये गये-
1. उत्तरी केन्द्र (राजधानी तोसलि)
2. दक्षिण केन्द्र (राजधानी जौगढ़)

33. सम्राट अशोक ने अपने राज्यभिषेक के कितने वर्ष बाद कलिंग पर विजय प्राप्त की?

(a) 8 वर्ष (b) 11 वर्ष
(c) 5 वर्ष (d) 15 वर्ष

SSC CGL (Tier-1) – 24/07/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : सम्राट अशोक ने अपने राज्यभिषेक के 8 वर्ष बाद कलिंग पर विजय प्राप्त की थी।

34. निम्नलिखित में से किस मौर्य शासक ने कलिंग की लड़ाई के बाद युद्ध करना छोड़ दिया था?

(a) अशोक (b) माहिंदा
(c) चंद्रगुप्त मौर्य (d) बिन्दुसार

SSC CGL (Tier-1) – 18/07/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : मौर्य वंश के शासक अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद युद्ध करना छोड़ दिया और बौद्ध धर्म को अंगीकृत कर लिया।

35. मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने निम्नलिखित में से किसे पराजित किया था?

(a) कैसेंडर (b) सेल्यूकस निकेटर
(c) एंटीगोन्स (d) टॉलेमी

SSC CGL (Tier-1) – 20/07/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने 305 ईसा पूर्व में सिकन्दर के सेनापति सेल्यूकस निकेटर को पराजित किया था। हार के बाद निकेटर ने अपनी पुत्री कोर्नेलिया की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य के साथ कर दी तथा हेरात एवं मकरान प्रान्त चन्द्रगुप्त को दिए।

* मेगस्थनीज सेल्यूकान निकेटर का राजदूत था, जो चन्द्रगुप्त के दरबार में रहता था। इसकी पुस्तक इंडिका है।

36. समाहर्ता नामक अधिकारी का क्या कार्य था?

(a) राज्य के खजाने को आरक्षित करना
(b) सुरक्षा आश्वासन
(c) पत्र-व्यवहार करना
(d) कर निर्धारण

SSC CGL (Tier-1)– 17/07/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : मौर्य काल में राजस्व विभाग का सर्वोच्च अधिकारी समाहर्ता होता था जिसका प्रमुख कार्य कर निर्धारण करना था। इसके अधीन शुल्काध्यक्ष, सुत्राध्यक्ष, मुद्राध्यक्ष आदि अनेक कर्मचारी कार्य करते थे। कौटिल्य के अर्थशास्त्र के अध्ययन से मौर्य साम्राज्य के केन्द्रीय संगठन के सम्बन्ध में जानकारी मिलती है। इस काल में शासन के विविध विभाग 'तीर्थ' कहलाते थे जिनकी संख्या 18 थी।

37. चन्द्रगुप्त मौर्य ने कौटिल्य की सहायता से मगध में _____ के साम्राज्य को उखाड़ फेंका और 322 ईसा पूर्व में गौरवशाली मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।

(a) नंदों (b) मल्लों (c) कुरु (d) पांचालों

SSC CGL (Tier-I) 21/04/2022 (Shift-III)

Ans. (a) : चन्द्रगुप्त मौर्य ने कौटिल्य की सहायता से मगध में नंदों के साम्राज्य को उखाड़ फेंका और 322 ईसा पूर्व में गौरवशाली मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।

38. सेल्यूसिड-मौर्य युद्ध में, सेल्यूकस ने निम्नलिखित में से किस मौर्य शासक के विरुद्ध युद्ध लड़ा था?

(a) अशोक (b) सम्प्रति
(c) चंद्रगुप्त मौर्य (d) दशरथ

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-III)

Ans. (c) : सेल्यूसिड-मौर्य युद्ध में, सेल्यूकस ने चंद्रगुप्त मौर्य शासक के विरुद्ध युद्ध लड़ा था।

39. गुजरात मे ——— झील वस्तुतः एक कृत्रिम जलाशय है जो मौर्यो के शासन के दौरान बनायी गयी थी।

(a) पुष्कर (b) लोनार
(c) लोकटक (d) सुदर्शन

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : सुदर्शन झील गुजरात के गिरिनार क्षेत्र में स्थित है। इस झील का निर्माण मौर्य वंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य के आदेश से उसके गिरिनार में नियुक्त राज्यपाल 'पुष्यगुप्त वैश्य' ने करवाया था। सम्राट अशोक के महामात्य 'तुषास्प' ने इस झील का पुनर्निर्माण करवाकर उसे मजबूती प्रदान की थी। बाद के समय में स्कन्दगुप्त ने बड़ी उदारता के साथ धन खर्च किया और इस झील पर एक बाँध का निर्माण करवाया। जूनागढ़ शिलालेख से शक शासक रूद्रदामन द्वारा सुदर्शन झील पुनर्निर्माण का उल्लेख मिलता है।

8. मौर्योत्तर साम्राज्य (Post-Mauryan Empire)

40. पुष्यमित्र, जो कि अंतिम मौर्य सम्राट बृहद्रथ का सेनापति था, ने राजा की हत्या कर दी और एक नए राजवंश की स्थापना की। निम्नलिखित में से उसका वंश कौन-सा था?

(a) शुंग (b) सातवाहन
(c) कण्व (d) चेदि

SSC CGL (Tier-II) – 06/03/2023

Ans.(a): पुष्यमित्र शुंग अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ का सेनापति था। इसने बृहद्रथ को मारकर शुंग वंश की नींव डाली। इसने दो अश्वमेध यज्ञ किए, जिनकी जानकारी अयोध्या अभिलेख से प्राप्त होती है।

41. कौन-सा कुषाण शासक इतिहास में बौद्ध धर्म के महान संरक्षक के रूप में प्रसिद्ध है जिन्होंने चतुर्थ बौद्ध संगीति का भी आयोजन किया था?

(a) वासुदेव प्रथम (b) हुविष्का
(c) विमा कॅडफिसेस (d) कनिष्क

SSC CGL (Tier-1) – 25/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (d):

बौद्ध संगीति	स्थान	शासनकाल	अध्यक्ष
प्रथम (483 ई.पू.)	राजगृह	अजातशत्रु (हर्यक वंश)	महाकस्सप
द्वितीय (383 ई.पू.)	वैशाली	कालाशोक (शिशुनाग वंश)	सर्वकामी (साबकमीर)
तृतीय (251 ई.पू.)	पाटलिपुत्र	अशोक (मौर्य वंश)	मोग्गलिपुत्त तिस्य
चतुर्थ	कश्मीर (कुण्डलवन)	कनिष्क (कुषाण वंश)	वसुमित्र एवं अश्वघोष (उपाध्यक्ष)

42. विक्रम संवत् कब आरंभ हुआ था?

(a) ई.पू. 57 में (b) ई.पू. 55 में
(c) ई.पू. 50 में (d) ई.पू. 47 में

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 06/03/2020 (Shift-I)

Ans : (a) मालवा के शासक विक्रमादित्य ने शकों को पराजित करने के उपलक्ष्य में 57 ई. पू. में विक्रम संवत का प्रचलन किया, विक्रम संवत को कृत संवत और मालवा संवत कहा जाता है।
शक संवत 78 ई. में कुषाण शासक कनिष्क द्वारा प्रारम्भ किया गया था, जबकि 319 ई. में गुप्त शासक चन्द्रगुप्त प्रथम द्वारा गुप्त संवत का प्रारम्भ किया गया था।

9. गुप्त साम्राज्य (Gupta Empire)

43. वाकाटक वंश का सीधा संबंध किस गुप्त सम्राट से था?

(a) चंद्रगुप्त II (b) समुद्रगुप्त
(c) श्रीगुप्त (d) चंद्रगुप्त I

SSC CGL (Tier-1) – 20/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (a): वाकाटक वंश की स्थापना 255 ई0 में विन्ध्य शक्ति ने की थी। इस वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक राजा प्रवरसेन प्रथम था। अपने शासनकाल में उसने सम्राट की उपाधि धारण की तथा चार अश्वमेध यज्ञों का आयोजन किया। ध्यातव्य है कि वाकाटक राजा रुद्रसेन द्वितीय का विवाह गुप्त वंश के शासक समुद्रगुप्त की पौत्री तथा चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री प्रभावती गुप्त से हुआ था।

44. ___प्राचीन भारत का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर था।

(a) अहिच्छत्र (b) चंपा
(c) ताम्रलिप्त (d) श्रावस्ती

SSC CGL (Tier-I) 11/04/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : ताम्रलिप्त प्राचीन भारत का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर था। पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में स्थित तामलुक नामक स्थान ही प्राचीन समय में ताम्रलिप्त के नाम से प्रसिद्ध था। गुप्तकाल में जावा, सुमात्रा आदि दक्षिणी पूर्वी देशों तथा सिंहल के लिए व्यापारिक जहाज यहाँ से आते जाते थे। यहाँ एक प्रसिद्ध शिक्षा केन्द्र था। फाह्यिान, हुएनसांग, इत्सिंग आदि ने यहाँ रहकर अध्ययन किया था।

45. गुप्त शासकों ने ——— नाम का जुर्माना लगाया था, जो हल रखने वाले प्रत्येक कृषक द्वारा भुगतान किया जाने वाला एक हल-कर था।

(a) कर (b) हलिवकर
(c) हिरण्य (d) शुल्क

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-III)

Ans. (b) : गुप्त शासकों ने हलिवकर या हलदण्ड नाम का जुर्माना लगाया था, जो हल रखने वाले प्रत्येक कृषक द्वारा भुगतान किया जाने वाला एक हल कर था। आर्थिक उपयोगिता के आधार पर गुप्त काल में निम्न प्रकार की भूमि थी-
1. क्षेत्र–कृषि करने योग्य भूमि
2. वास्तु–वास करने योग्य भूमि
3. सारा–पशुओं के चारा योग्य भूमि
4. खिल–ऐसी भूमि जो जोतने योग्य नहीं होती थी।
5. अप्रहत–ऐसी भूमि जो जंगली होती थी।

10. गुप्तोत्तर साम्राज्य (Post-Gupta Empire)

46. हर्षवर्धन के शासनकाल में किस चीनी यात्री ने भारत की यात्रा की थी?

(a) इत्सिंग (b) इब्नबतूता
(c) फ़ाहियान (d) ह्वेनसांग

SSC CGL (Tier-1) – 14/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (d) : ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में भारत (629-645 ई.) आया था। वह भारत में 16 वर्षों तक रहा तथा बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण किया। ह्वेनसांग का भ्रमण वृतान्त सि-यू-की नाम से प्रसिद्ध है। चीन से आने वाले अन्य प्रमुख यात्री फाहियान, चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) के समय में, शुंगयुन व इत्सिंग सातवीं शताब्दी में भारत आये थे।

47. निम्नलिखित में से किस शासक के शासनकाल में चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत आया था?

(a) हर्षवर्धन (b) समुद्रगुप्त
(c) अशोक (d) चंद्रगुप्त II

SSC CGL (Tier-1) – 17/07/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : सम्राट हर्षवर्धन के शासनकाल में चीनी यात्री ह्वेनसांग (629-645 ई.) भारत आया था।

48. हर्षचरित कन्नौज के शासक हर्षवर्धन की जीवनी है, जो उनके दरबारी कवि ——— द्वारा संस्कृत में रचित है।

(a) कंबन (b) जिनसेन
(c) बाणभट्ट (d) दंडी

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : 'हर्षचरित' कन्नौज के शासक हर्षवर्धन की जीवनी है, जो उनके दरबारी कवि बाणभट्ट द्वारा संस्कृत में रचित है। उनका दूसरा ग्रंथ कादम्बरी है, जिसे दुनिया का पहला उपन्यास माना जाता है। कादम्बरी पूर्ण होने से पहले ही बाणभट्ट की मृत्यु हो गई तथा इस उपन्यास को बाद में उनके पुत्र भूषणभट्ट ने पूरा किया।

49. राजा हर्षवर्धन ने अपने भाई—— की मृत्यु के बाद थानेश्वर और कन्नौज के सिंहासन पर प्रभुत्व स्थापित किया।

(a) सूर्यवर्धन (b) राज्यवर्धन
(c) चंद्रवर्धन (d) इंद्रवर्धन

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : हर्षवर्धन के पिता प्रभाकरवर्धन की मृत्यु (605 ई.) के बाद हर्षवर्धन का बड़ा भाई राज्यवर्धन राजा हुआ, परन्तु मालवा नरेश देवगुप्त और गौंड नरेश शशांक की दुरभिसंधि के कारण वह मारा गया। हर्षवर्धन 606 ई. में गद्दी पर बैठा और अपनी बहन राज्यश्री का विंध्याटवी से उद्धार किया तथा थानेश्वर का अपने राज्य में विलय किया, देवगुप्त से मालवा छीन लिया और शशांक को गौंड भगा दिया। हर्ष को 'साहित्यकार सम्राट' कहा जाता है क्योंकि उसने तीन नाटक प्रियदर्शिका, रत्नावली तथा नागानन्द की रचना की।

50. किसके शासनकाल में चीनी यात्री ह्वेन सांग भारत आये थे?

(a) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (b) समुद्रगुप्त
(c) चन्द्रगुप्त प्रथम (d) हर्षवर्धन

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-III)

Ans: (d) ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में भारत (629-645 ई.) आया था। वह भारत में 16 वर्षों तक रहा तथा बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण किया। ह्वेनसांग का भ्रमण वृतान्त सि-यू-की नाम से प्रसिद्ध है। चीन से आने वाले अन्य प्रमुख यात्री फाहियान, चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) के समय में, शुंगयुन व इत्सिंग सातवीं शताब्दी में भारत आये थे।

11. दक्षिण भारतीय राजवंश (South Indian Dynasty)

51. चोल प्रशासन में, _____गांवों में सदन होती थी जो मुख्य रूप से ब्राम्हणों द्वारा बसाई गई थी।

(a) नागराम (b) सभा
(c) उर (d) खिल्य

SSC CGL (Tier-1) – 14/07/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : चोल अभिलेखों में मोटे तौर पर तीन प्रकार की ग्राम सभाओं का उल्लेख प्राप्त होता है, वे हैं- उर, सभा या महासभा और नगरम। सभा या महासभा गाँवों के वरिष्ठ ब्राह्मण जिन्हें अग्रहार कहा जाता था, की सभा थी अर्थात् यह मूल रूप से ब्राह्मण बस्तियों की संस्था थी।

52. सभा और उर, दो प्रकार की ग्राम सभाओं का उल्लेख निम्नलिखित में से किस राजवंश में है?

(a) चालुक्य (b) राष्ट्रकुट
(c) चोल (d) गुर्जर-प्रतिहार

SSC CGL (Tier-1) – 20/07/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : सभा और उर, दो प्रकार की ग्राम सभाओं का उल्लेख चोल राजवंश में है। उल्लेखनीय है कि स्थानीय स्वशासन चोल प्रशासन की मुख्य विशेषता थी। उर सर्वसाधारण लोगों की समिति थी, जिसका कार्य होता था सार्वजनिक कल्याण के लिए तालाबों और बगीचों के निर्माण हेतु गाँव की भूमि का अधिग्रहण करना। यह सभा वरियम नाम की समितियों के द्वारा अपने कार्य को संचालित करती थी।

12. सीमावर्ती राजवंश (पाल/सेन/ कश्मीर/ कामरूप) (Borderline Dynasties (Pala/Sena/ Kashmir/ Kamroop)

53. प्रसिद्ध कवि और नाटककार राजशेखर निम्नलिखित में से किस प्रतिहार राजा के दरबार में दरबारी कवि थे?

(a) राजपाल (b) महेंद्रपाल
(c) रामभद्र (d) देवपाल

SSC CGL (Tier-1) – 25/07/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : प्रसिद्ध कवि एवं नाटककार राजशेखर प्रतिहार राजा महेन्द्र पाल (890-910 ई.) के दरबारी कवि थे। राजशेखर ने अपनी रचनाओं में महेन्द्र पाल का वर्णन 'निर्भयराज' और 'निर्भय नरेन्द्र' के रूप में किया है। इनकी प्रसिद्ध कृति है- कर्पूरमंजरी, काव्य मीमांसा, बाल रामायण आदि।

54. निम्नलिखित में से किस विश्वविद्यालय की स्थापना पाल ने की थी?

(a) नालंदा (b) विक्रमशिला
(c) तक्षशिला (d) वल्लभी

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-III)

Ans. (b): बिहार प्रांत के भागलपुर जिले में स्थित विक्रमशिला विश्वविद्यालय एक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति का शिक्षा केन्द्र रहा है। इसकी स्थापना पाल शासक धर्मपाल (775-800 ई.) ने करवायी थी। धर्मपाल के उत्तराधिकारी 13वीं शताब्दी तक इसे राजकीय संरक्षण प्रदान करते रहे परिणामस्वरूप विक्रमशिला लगभग चार शताब्दियों से भी अधिक समय तक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति का विश्वविद्यालय बना रहा। विश्वविद्यालय में अध्ययन के विशेष विषय व्याकरण, तर्कशास्त्र, मीमांसा, तंत्र आदि थे, मुस्लिम आक्रमकणकारी बख्तियार खिलजी ने 1193 के आस-पास इसे नष्ट कर दिया था। वर्तमान में विश्वविद्यालय के भग्नावशेष बचे हुए हैं।

55. भारत के किस क्षेत्र में 'कामरूप' एक प्राचीन नाम है?

(a) बिहार (b) राजस्थान
(c) कर्नाटक (d) असम

SSC CGL 08-09-2016, 10 am

Ans : (d) आधुनिक असम का प्राचीन नाम कामरूप था। कामरूप को प्रागज्योतिषपुर के नाम से भी पुकारा गया है जो कि वर्मन वंश की राजधानी थी।

13. राजपूत काल (Rajput Period)

56. जब हार निश्चित हो जाती थी, तो —— पुरुषों को 'शाका' (या 'शक') नामक एक अनुष्ठान करना होता था, जो कि उनकी अंतिम लड़ाई थी जिससे वे वापस नहीं आ सके।

(a) मराठा (b) सिख
(c) मुगल (d) राजपूत

SSC CGL (Tier-I) – 19/06/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : शाका और जौहर प्रथाएँ राजपूतों में प्रचलित थीं। शाका अनुष्ठान पुरुषों और जौहर अनुष्ठान राजपूत महिलाओं द्वारा किया जाता था। जब हार निश्चित हो जाती थी, तो राजपूत पुरुषों को 'शाका' (या 'शक') नामक एक अनुष्ठान करना होता था, जो कि उनकी अंतिम लड़ाई थी जिससे वे वापस नहीं आ सके। यह जौहर होने के एक दिन बाद किया जाता था जिसमें योद्धा केसरिया रंग की पगड़ी पहनकर मैदान में उतरते थे जो भारतीय संस्कृति में बलिदान का प्रतीक है।

57. निम्नलिखित में से कौन प्रतिहर वंश के महानतम शासक थे?

(a) नागभट्ट (b) रामभद्र
(c) मिहिर भोज (d) सामंतसेन

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : मिहिर भोज या भोज प्रथम (836-885) का शासनकाल प्रतिहार साम्राज्य के लिये स्वर्णकाल माना गया है। मिहिरभोज वैष्णव धर्मानुयायी था। उसने आदिवाराह तथा प्रभास जैसी उपाधियां धारण की जो उसके द्वारा चलाये गये चाँदी के 'द्रम्म' सिक्कों पर भी अंकित है। परमार शासक भोज की मृत्यु पर कहा जाता है 'अद्यधारा निराधारा निरालम्बा सरस्वती पंडिता खण्डिता सर्वे, भोज राजे दिवंगते'।

14. अरबों का आक्रमण (Arab's Invasion)

58. 1026 ईस्वी में प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर पर हमला और लूटपाट किसने की?

(a) मुहम्मद गौरी (b) चंगेज खान
(c) महमूद गज़नी (d) नादिर शाह

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-I)

Ans : (c) महमूद गजनी यामनी वंश के तुर्क सरदार गजनी के शासन सुबुक्तगीन का पुत्र था। जिसने भारत पर 17 बार आक्रमण किया। सबसे चर्चित आक्रमण सोमनाथ मंदिर (सौराष्ट्र) पर 1025-26 ईस्वीं में हुआ। इस मंदिर की लूट में उसे करीब 20 लाख दीनार की सम्पत्ति हाथ लगी।

15. प्राचीन भारतीय कला एवं साहित्य (Ancient Indian Art and Literature)

(i) स्थापत्य कला (Architenture)

59. मौर्य स्तंभ शीर्ष ..... में पाया गया था, जिसे सिंह शीर्ष (लायन कैपिटल) के नाम से जाना जाता है।

(a) बैराट (b) सांची
(c) भाबरू (d) सारनाथ

SSC CGL (Tier-1) – 27/07/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : मौर्य स्तम्भ शीर्ष सारनाथ में पाया गया था, जिसे सिंह शीर्ष (लायन कैपिटल) के नाम से जाना जाता है। मूल स्तंभ में शीर्ष पर चार सिंह हैं, जो एक दूसरे की ओर पीठ किये हुए हैं। इसके नीचे एक चित्र वल्ली में एक हाथी, चौकड़ी भरता हुआ एक घोड़ा, एक सांड़ तथा एक सिंह की उभरी हुई मूर्तियाँ हैं। इसके बीच में चक्र बने हुए हैं। एक ही पत्थर को काटकर बनाये गये इस सिंह स्तंभ के ऊपर 'धर्मचक्र' रखा हुआ है।

60. तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व और बारहवीं शताब्दी ईस्वी के बीच की अवधि से संबंधित वह स्थान..... है जो बौद्ध कला और वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने के लिए प्रसिद्ध है।

(a) सतना (b) विदिशा
(c) साँची (d) देवास

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-III)

Ans : (c) तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व और बारहवीं शताब्दी ईस्वी के बीच की अवधि से सम्बन्धित वह स्थान 'साँची' है, जो बौद्ध कला और वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने के लिए प्रसिद्ध है। साँची मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में बेतवा नदी के तट पर स्थित एक छोटा सा गाँव है।

61. राजस्थान के माउंट आबू में स्थित दिलवाड़ा मंदिर किस धर्म से संबंधित है?

(a) जैन (b) सिख
(c) हिंदू (d) बौद्ध

SSC CGL (TIER-1) 01-09-2016, 10 am

Ans. (a) : राजस्थान के माउण्ट आबू में स्थित दिलवाड़ा का प्रसिद्ध मन्दिर जैन समुदाय का तीर्थस्थल है। इस मन्दिर का निर्माण सोलंकी शासक भीमदेव प्रथम का मंत्री विमलशाह ने वास्तुपाल एवं तेजपाल से संगमरमर का बनवाया था। इस मन्दिर के गर्भगृह में ऋषभदेव (आदिनाथ) की मूर्ति है जिनकी आँखे हीरे की है।

62. महाबलीपुरम स्थित एकाश्मीय शैल मन्दिरों का प्रसिद्ध नाम क्या है?

(a) रथ (b) प्रसाद
(c) मठिका (d) गंधकुटी

SSC CGL (TIER-1) 28-08-2016, 4.15 pm
SSC CGL (TIER-1) 28-08-2016, 4.15 pm

Ans : (a) महाबलीपुरम में बने एकाश्म शैल मंदिरों को रथ नाम दिया गया। इनमें पंच पाण्डव रथ (युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव तथा द्रौपदी रथ) विशेष उल्लेखनीय है। इनका निर्माण पल्लव वंशीय शासक नरसिंह वर्मन प्रथम मामल्ल के द्वारा किया गया था, मामल्ल उपाधि के कारण इस शैली का नाम मामल्ल शैली पड़ गया। इनमें धर्मराज रथ सबसे बड़ा एवं आकर्षक है। जबकि द्रोपदी रथ सबसे छोटा है। धर्मराज रथ को द्रविड़ शैली का अग्रदूत कहा जाता है।

63. कम्बोडिया में स्थित अंग्कोर वाट का सुप्रसिद्ध विष्णु-मन्दिर किसने बनवाया था?

(a) श्रुतवर्मन (b) सूर्यवर्मन II
(c) इन्द्रवर्मन (d) अनिरूद्ध

SSC CGL (TIER-1) 11-09-2016, 4.15 pm

Ans : (b) अंकोरवाट मंदिर का निर्माण (कंबोडिया) के शासक सूर्यवर्मन II द्वारा 12वीं शताब्दी के प्रारंभ में अपनी राजधानी यशोधरापुर में कराया गया था। यह मंदिर विश्व का सबसे बड़ा हिंदू (विष्णु का) मंदिर है।

64. बिरजा मंदिर, राजरानी मंदिर और समलेश्वरी मंदिर, सभी ——— में स्थित हैं।

(a) असम (b) तमिलनाडु
(c) केरल (d) ओडिशा

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : बिरजा मंदिर, राजरानी मंदिर और समलेश्वरी मंदिर, सभी ओडिशा में स्थित है। ओडिशा के अन्य मंदिरो में पुरी का जगन्नाथ मंदिर और कोणार्क का सूर्य मंदिर विश्व प्रसिद्ध है। आधुनिक ओडिशा राज्य की स्थापना 1 अप्रैल, 1936 को भारत के एक राज्य के रूप में हुई।

65. महाबलीपुरम में पंच रथों में से चार रथ-'धर्मराज (युधिष्ठिर) रथ', 'भीम रथ', 'अर्जुन रथ' और 'नकुल सहदेव रथ' हैं। पाँचवें रथ का क्या नाम है?

(a) भीष्म रथ (b) कृष्ण रथ
(c) कर्ण रथ (d) द्रौपदी रथ

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 05/03/2020 (Shift-II)

Ans. (d) : महाभारत के पात्रों के नामों पर पल्लव वंशी राजाओं ने 7वीं शताब्दी में राजा महेन्द्रवर्मन तथा उनके पुत्र नरसिंहवर्मन प्रथम (630–668 ई.) ने सप्त रथों का निर्माण करवाया था। जो निम्न हैं- 1. धर्मराज रथ (युधिष्ठिर रथ) 2. भीम रथ 3. अर्जुन रथ 4. नकुल सहदेव रथ तथा 5. दौपद्री रथ 6. गणेश रथ 7. पिडारि (ग्राम्य देवी) रथ 8. वलैयंकुट्टै रथ।

66. धर्मराज रथ स्मारक कहाँ स्थित है?

(a) सुचिंद्रम में (b) कांचीपुरम में
(c) महाबलीपुरम में (d) खजुराहो में

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-I)

Ans : (c) धर्मराज रथ तमिलनाडु राज्य के महाबलीपुरम के दक्षिणी सिरे पर स्थित है। महाबलीपुरम में आठ रथ है, जिनमें से पाँच को महाभारत के पात्र पाँच पाण्डवों और एक द्रोपदी के नाम पर रखा गया है। इन पाँच रथों को धर्मराज रथ, भीम रथ, अर्जुन रथ, नकुल रथ और सहदेव रथ कहते है। इनका निर्माण बौद्ध और विहास शैली तथा चैत्यों के अनुसार किया गया है। इन रथों का निर्माण 7वीं शताब्दी में पल्लव राजा द्वारा करवाया गया था।

ii. प्राचीन कालीन साहित्य (Ancient Period Literature)

67. निम्नलिखित में से कौन सी पुस्तक रोमन लेखक वरिष्ठ प्लिनी (Pliny the Elder) द्वारा लिखी गई थी?

(a) पेरिप्लस ऑफ दि एरिथ्रियन सी
(b) जियोग्राफिका
(c) नेचुरल हिस्ट्री
(d) इंडिका

SSC CGL (Tier-II) – 03/03/2023

Ans. (c) :

पुस्तक		लेखक
नेचुरल हिस्ट्री	-	प्लिनी
इंडिका	-	मेगस्थनीज
जियोग्राफिका	-	स्ट्रेबो
पेरिप्लस आफ द एरिथ्रियन सी	-	अज्ञात व्यक्ति

68. निम्नलिखित में से किसने 'इंडिका' लिखी थी, जिसमें मौर्य राजवंश के शासन के समय के भारत का वर्णन था।

(a) डियोडोरस सिकुलस (b) मेगस्थनीज
(c) स्ट्रैबो (d) प्लिनी

SSC CGL (Tier-1)– 19/07/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : मेगस्थनीज द्वारा लिखित पुस्तक इंडिका में मौर्य वंश के शासन के समय के भारत का वर्णन है। टॉलमी ने भूगोल, प्लिनी का नेचुरल हिस्टोरिका प्रमुख पहली सदी के प्रमुख लेखक हैं। लगभग इसी समय स्ट्रैबो ने ज्योग्राफिका की रचना की थी।

69. मेगस्थनीज की पुस्तक इंडिका में भारतीय समाज के कितने वर्गों का उल्लेख है?

(a) 7 (b) 12
(c) 5 (d) 10

SSC CGL (Tier-1) – 24/07/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : 'इंडिका' ग्रीक राजदूत मेगस्थनीज द्वारा लिखित एक पुस्तक है। इस पुस्तक में मेगस्थनीज ने भारतीय समाज को 7 वर्गों में बाँटा हैं।

→ ग्रीक शासक सेल्यूकस द्वारा मेगस्थनीज को चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा गया था।

→ मेगस्थनीज मौर्य साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र में रहा और अपने प्रवास के दौरान 'इंडिका' लिखा। यह भारतीय इतिहास जानने का महत्वपूर्ण स्रोत है।

70. निम्नलिखित में से किस शास्त्र में भरतनाट्यम की सैद्धांतिक नींव पाई गई है?

(a) वैमानिक शास्त्र (b) नाट्य शास्त्र
(c) धर्म शास्त्र (d) अर्थ शास्त्र

SSC CGL (Tier-1) – 24/07/2023 (Shift-III)

Ans. (b) : नाट्यशास्त्र में भरतनाट्यम् की सैद्धांतिक नीव पायी जाती है। नाट्यशास्त्र की रचना भरतमुनि ने 200 ई.पू. से 200 ई. के बीच किया था। इसे पाँचवाँ वेद भी कहा जाता है।

71. प्राचीन भारतीय पाठ्य 'राजतरंगिणी' किसकी कृति है?

(a) बिल्हण (b) बाणभट्ट
(c) कल्हण (d) संध्याकर नंदी

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : राजतरंगिणी कल्हण द्वारा रचित एक संस्कृत ग्रंथ है, जिसकी रचना 1148 से 1150 ई. के बीच हुई। कश्मीर के इतिहास पर आधारित इस ग्रंथ की रचना में कल्हण ने ग्यारह अन्य ग्रंथों का सहयोग लिया है, जिसमें अब केवल नीलमत पुराण ही उपलब्ध है। बाणभट्ट, हर्षवर्धन का दरबारी कवि था, इसने हर्ष चरित एवं कादम्बरी नामक पुस्तकों की रचना की थी।

72. संस्कृत विद्वान पाणिनी द्वारा लिखित 'अष्टाध्यायी' _____ से संबंधित एक पुस्तक है।

(a) अर्थव्यवस्था (b) विधि
(c) व्याकरण (d) औषधि

SSC CGL (Tier-I) 18/04/2022 (Shift-III)

Ans. (c): संस्कृत विद्वान पाणिनी द्वारा लिखित 'अष्टाध्यायी' व्याकरण से संबंधित एक पुस्तक है।

73. प्राचीन भारत के निम्नलिखित में से किस ऋषि ने 'मीमांसा-सूत्र' लिखा था?

(a) पाणिनी (b) बदरायण
(c) चरक (d) जैमिनी

SSC CGL (Tier-I) 19/04/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : प्राचीन भारत के जैमिनी ऋषि ने 'मीमांसा-सूत्र' लिखा था। मीमांसा सूत्र, मीमांसा दर्शन का आधारभूत ग्रंथ है।

74. सी-यू-की (Si-yu-ki) या 'द रिकॉर्ड्स ऑफ द वेस्टर्न वर्ल्ड' का लेखक कौन था?

(a) फ़ाहियान (b) अब्दुर रज्जाक
(c) मार्को पोलो (d) ह्वेन सांग

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-II)

Ans. (d): सी-यू-की (Si-yu-ki) या द रिकॉर्ड्स ऑफ द वेस्टर्न वर्ल्ड का लेखक ह्वेनसांग था।

75. प्राचीन भारत में चिकित्सा के क्षेत्र में निम्नलिखित में से किसका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है?

(a) हर्ष (b) पाणिनी
(c) चरक (d) भास

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : प्राचीन भारत में चिकित्सा के क्षेत्र में चरक का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। इन्होने 'चरक संहिता' नमक ग्रंथ की रचना की।

76. अर्थशास्त्र _____ ने लिखा था

(a) चाणक्य (b) कालिदास
(c) हर्षवर्धन (d) वात्सायन

SSC CGL (TIER-1) 06-09-2016, 1.15 pm

Ans: (a) 'अर्थशास्त्र' चाणक्य द्वारा लिखित राजनीतिशास्त्र से सम्बन्धित पुस्तक है। अर्थशास्त्र पर भट्टस्वामी ने 'प्रतिपदापंचिका' नामक टीका लिखी। चाणक्य का एक नाम कौटिल्य भी है। चाणक्य चन्द्रगुप्त मौर्य के गुरू एवं प्रधानमंत्री थे।

77. कटु सत्यता को दर्शाने वाला सामाजिक नाटक 'मृच्छकटिकम' (मिट्टी की छोटी गाड़ी) किसने लिखा था?

(a) माघ (b) रैदास
(c) शूद्रक (d) कालिदास

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : मृच्छकटिकम् (मिट्टी का खिलौना या मिट्टी की छोटी गाड़ी) नामक सामाजिक नाटक के रचनाकार 'शूद्रक' हैं।
महाकवि माघ – शिशुपालवध,
कालिदास – अभिज्ञान शाकुन्तलम, विक्रमोर्वशीयम, मालविकाग्नि-मित्रम, मेघदूतम, ऋतुसंहार आदि।

(iii) चित्रकला (Painting)

78. इनमें से कौन सी कथाएँ अजंता गुफा की चित्रकारी और मूर्तिकलाओं से संबंधित है?

(a) पेंटामेरॉन कथाएँ (b) पंचतंत्र की कथाएँ
(c) हितोपदेश कथाएँ (d) जातक कथाएँ

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-II)

Ans. (d): अजंता गुफा (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) की चित्रकारी और मूर्तिकलाओं से जातक कथाएँ संबंधित है। जातक कथाएँ भगवान बुद्ध के पूर्व जन्मों की कथायें है। इन कथाओं में मनोरंजन के माध्यम से नीति और धर्म को समझाने का प्रयास किया गया है। जातक खुद्दक निकाय का दसवॉ प्रसिद्ध ग्रन्थ है। इसे 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित किया गया।
अजंता की गुफाओं में कुल 29 गुफाएँ है जिसमें से 25 को विहार तथा 4 चैत्य हैं।

17. विविध (Miscellaneous)

79. निम्नलिखित में से कौन सा वर्ण धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार प्राचीन भारत में लोगों की रक्षा और न्याय के प्रशासन के लिए जिम्मेदार था?

(a) शूद्र (b) क्षत्रिय
(c) ब्राह्मण (d) वैश्य

SSC CGL (Tier-I) 18/04/2022 (Shift-II)

Ans. (b): क्षत्रिय वर्ण धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार प्राचीन भारत में लोगों की रक्षा और न्याय के प्रशासन के लिए जिम्मेदार था।

80. 14वें दलाई लामा ——— में रहते हैं।

(a) धर्मशाला (b) कलिम्पोंग
(c) शिलांग (d) गंगटोक

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (a) : धर्मशाला हिमांचल प्रदेश की शीतकालीन राजधानी है तथा हिमांचल प्रदेश राज्य के कांगडा जिले का मुख्यालय है। धर्मशाला के मैक्लॉडगंज उपनगर में केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन का मुख्यालय है और इसी कारण यह दलाई लामा का निवास स्थल भी है। 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो तिब्बत के राष्ट्राध्यक्ष और आध्यात्मिक धर्म गुरू है।

81. कोलथुनाडु, वल्लुवनाड और थेक्कुमकूर भारत के किस राज्य में प्राचीन काल के अल्पकालिक राज्य थे?

(a) कर्नाटक (b) गुजरात
(c) केरल (d) बिहार

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : कोलथुनाडु, वल्लुवनाड और थेक्कुमकूर भारत के केरल में प्राचीन काल के अल्पकालिक राज्य थे।

82. निम्नलिखित में से कौन सा प्राचीन भारत में राजाओं द्वारा अपना पद स्थापित करने के लिए किया जाने वाला एक प्रकार का बलिदान नहीं था?

(a) वाजपेय
(b) मुवेंदवेलन
(c) अश्वमेध
(d) राजसूय

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-III)

Ans. (b) : 'मुवेंदवेलन', तीन राजाओं को अपनी सेवाएँ प्रदान करने वाला बेलन या किसान होता है। चोल राजाओं द्वारा धनी भूस्वामियों को सम्मान स्वरूप ये उपाधि दी जाती थी जबकि वाजपेय, अश्वमेध और राजसूय यज्ञ थे, जो राजाओं द्वारा सम्पन्न कराये जाते थे।

B. मध्यकालीन इतिहास (Medieval History)

1. दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate)

(i) गुलाम वंश (Slave dynasty)

83. बलबन की उपाधि किसने धारण की थी?

(a) अयाज खान (b) फरीद खान
(c) उलूग खान (d) कबीर खान

SSC CGL (Tier-II) – 07/03/2023

Ans. (c) : सल्तनत काल के गुलामवंशी शासक उलूग खाँ ने 'बलबन' की उपाधि धारण की थी। उलूग खाँ को नासिरुद्दीन महमूद ने यह उपाधि प्रदान की थी। बलबन ने राजत्व के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था। बलबन ने दरबार में सिजदा एवं पाबोस प्रथाओं को लागू किया तथा 'नवरोज' त्योहार मनाना प्रारम्भ किया। बलबन ने एक सैन्य विभाग 'दीवान-ए-अर्ज' की स्थापना की थी।

84. वह दिल्ली का सुल्तान था जिसने दरबार में सिजदा और पैबोस की प्रथा शुरू की थी। वह कौन था ?

(a) गयासुद्दीन बलबन (b) इल्तुतमिश
(c) इब्राहिम लोधी (d) फिरोज शाह तुगलक

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-III)
SSC CGL (Tier-1) – 21/07/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : सुल्तान गयासुद्दीन बलबन ने सिजदा और पैबोस (सम्राट के सामने झुककर उसके पैरों को चूमना) की व्यवस्था की। बलबन ने प्रशासन के लिये 'रक्त एवं लौह नीति' अपनायी। गयासुद्दीन बलबन जाति से इल्बरी तुर्क था। बलबन ने एक नये राजवंश 'बलबनी वंश' की स्थापना की थी।

85. मलिक इख्तियार-उद-दीन अल्तुनिया ने रजिया सुल्तान को निम्नलिखित में से किस किले में कैद किया था?

(a) जयपुर के जयगढ़ किले में
(b) गोलकुंडा के गोलकुंडा किले में
(c) जोधपुर के मेहरानगढ़ किले में
(d) बठिंडा के किला मुबारक में

SSC CGL (Tier-I) 19/04/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : मलिक इख्तियार-उद-दीन अल्तुनिया ने रजिया सुल्तान को बठिंडा के किला मुबारक में कैद किया था।

86. रज़िया, पहली महिला मुस्लिम शासक, भारत के किस तुर्की शासक की बेटी थी ?

(a) शमसुद्दीन इल्तुतमिश (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) मुइज़ुद्दीन बहराम (d) गयासुद्दीन बलवन

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-III)
SSC CGL (TIER-1) 27-10-2016, 1.15 pm

Ans. (a) : मध्यकालीन भारतीय इतिहास में दिल्ली सल्तनत के प्रथम राजवंश जिसकों गुलाम वंश या मामलुक वंश के नाम से जाना जाता है। इसके वास्तविक संस्थापक इल्तुतमिश के पश्चात् उनकी पुत्री रजिया भारत की प्रथम मुस्लिम महिला शासिका बनी। वह 1236-1240 गुलाम वंश की शासिका रही।

87. ..... के बीच का समय भारतीय इतिहास में दिल्ली सल्तनत काल के रूप में जाना जाता है।

(a) 1206 ई. और 1526 ई.
(b) 1456 ई. और 1675 ई.
(c) 745 ई. और 1245 ई.
(d) 1105 ई. और 1445 ई.

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-III)

Ans. (a) : 1206 से 1526 ई. तक भारत पर शासन करने वाले पाँच वंश के सुल्तानों के शासनकाल को दिल्ली सल्तनत कहा जाता है। दिल्ली सल्तनत के क्रमानुसार पाँच वंश-
1. गुलाम वंश/ मामलुक वंश/ इल्बरी वंश (1206-1290)
2. खिलजी वंश (1290-1320)
3. तुगलक वंश (1320 - 1414)
4. सैयद वंश (1414 - 1451)
5. लोदी वंश (1451 - 1526)

इनमें से चार वंश मूलत: तुर्क थे जबकि अंतिम वंश लोदी अफगान था।

(ii) खिलजी वंश (Khilji Dynasty)

88. माल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु अलाउद्दीन खिलजी के अधीन किस अधिकारी के लिए व्यापारियों का रजिस्टर बनाए रखना आवश्यक था?

(a) रईस परवाना (b) नज़ीर
(c) मुहतसिब (d) शहाना-ए-मंडी

SSC CGL (Tier-II) – 06/03/2023

Ans. (d) : सल्तनत काल मे 'शहना-ए-मंडी' नामक अधिकारी बाजार मूल्य नियंत्रण और बाटों की माप का कार्य करता था। माल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करनें के उद्देश्य से इसको व्यापारियों का रजिस्टर बना कर रखना अनिवार्य था। 'मुहतसिब' नामक अधिकारी लोगों के आचरण की निगरानी करता था।

89. जफर खाँ दिल्ली सल्तनत के निम्नलिखित में से किस शासक का प्रसिद्ध सेनापति था?

(a) बलबन (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) अलाउद्दीन खिलज़ी (d) इल्तुतमिश

SSC CGL (Tier-II) – 03/03/2023

Ans. (c): जफर खाँ दिल्ली सल्तनत के शासक अलाउद्दीन खिलजी का प्रसिद्ध सेनापति था। इसनें 1297 ई. में एक मंगोल आक्रमणकारी कादिर खाँ को हराया था। अलाउद्दीन खिलजी के शासन काल में 1297 ई. से 1306 ई तक मंगोलों के 6 आक्रमण हुए। मंगोलों का प्रथम आक्रमण 1297 ई. में कादर खाँ के नेतृत्व में, दूसरा आक्रमण 1298 ई. में सल्दी के नेतृत्व में, तीसरा आक्रमण 1299 ई. में कुतुलुग ख्वाजा के नेतृत्व में, हुआ। इसी युद्ध में जफर खाँ मंगोलो पर आक्रमण करते हुए 18 कोस तक चला गया, लौटते समय तार्गी के नेतृत्व में उसे मंगोलो ने बंदी बना लिया तथा हत्या कर दी। इन चारों मंगोल आक्रमणों में जफर खाँ ने ही मंगोलो को हराया था।

90. अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान, वस्त्र बाजार को _____ के रूप में जाना जाता था।

(a) मंडी (b) सराय-ए-अदल

(c) शाहना-ए-मंडी (d) मुंहियान

SSC CGL (Tier-1) – 24/07/2023 (Shift-I)

Ans. (b): अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान वस्त्र बाजार को सराय-ए-अदल के रूप में जाना जाता था। यह एक ऐसा बाजार था जहाँ परवस्त्री, शक्कर, जड़ी-बूटी, दीपक जलाने का तेल आदि वस्तुएँ बिकने के लिए आती थीं। यह सरकारी धन से साहयता प्राप्त बाजार था।

91. निम्नलिखित में से किसने दिल्ली सल्तनत में सैनिकों के लिए दाग और हुलिया प्रथा तथा नकद भुगतान व्यवस्था की शुरूआत की थी?

(a) जलालुद्दीन खिलजी (b) फिरोज शाह तुगलक

(c) गयासुद्दीन तुगलक (d) अलाउद्दीन खिलजी

SSC CGL (Tier-1) – 21/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (d) : दिल्ली सल्तनत में अलाउद्दीन खिलजी ने सैनिकों के लिए दाग और हुलिया प्रथा तथा नकद भुगतान व्यवस्था की शुरूआत की थी। दीवान-ए-आरिज प्रत्येक सैनिक की नामावली एवं हुलिया रखता था।

92. अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में निम्नलिखित में से कौन राज्यपाल था?

(a) जलाल-उद्-दीन-खिलजी (b) शम्स-उद्-दीन इल्तुत्मिश

(c) गयासुद्दीन तुगलक (d) नसीरूद्दीन महमूद

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-II)

Ans : (c) गयासुद्दीन तुगलक अलाउद्दीन के शासनकाल में पंजाब (पश्चिमोत्तर प्रांत) प्रांत का राज्यपाल था। इसी ने खिलजी वंश के पश्चात 1320 ई. में 'तुगलक वंश' की स्थापना की। खिलजी वंश का संस्थापक जलालुद्दीन फिरोज खिलजी था तथा इसकी हत्या 1296 ई. में अलाउद्दीन खिलजी ने कड़ा मानिकपुर (इलाहाबाद) में कर दी। अलाउद्दीन ने सेना को नगद वेतन देने एवं स्थायी सेना की नींव रखी तथा घोड़े दागने और सैनिकों का हुलिया लिखने की प्रथा के साथ-साथ इसका प्रमुख कार्य 'मूल्य नियंत्रण प्रणाली' को लागू करना था। इसके शासनकाल के प्रमुख अधिकारी एवं उनके कार्य निम्न थे-

दीवान-ए-रियासत- बाजार नियंत्रण की पूरी व्यवस्था

शहना-ए-मंडी- बाजार का अधीक्षक

बरीद- बाजार का निरीक्षक

मुनहियान- गुप्त सूचना प्राप्त करना

93. पहला मुस्लिम शासक कौन था जिसका साम्राज्य भारत के सुदूर दक्षिण सहित लगभग संपूर्ण भारत में फैला था?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) गियास-उद्-दीन बलबन

(c) फिरोज शाह तुगलक (d) जलाल-उद्-दीन खिलजी

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-I)

Ans. (a) : अलाउद्दीन खिलजी पहला मुस्लिम शासक था जिसका साम्राज्य भारत के सुदूर दक्षिण सहित लगभग संपूर्ण भारत में फैला था। अलाउद्दीन ने 1301 ई. में राजस्थान के रणथंभौर पर तथा 1303 ई. में चितौड़ पर विजय प्राप्त किया। राजस्थान की विजय पूरी करने से पहले ही अलाउद्दीन मालवा जीत चुका था। गुजरात उसके अधीन था। मलिक काफूर के नेतृत्व में उसने दक्षिण के तेलगांना का वारंगल, द्वारसमुद्र (आधुनिक कर्नाटक) मालाबार तथा मदुरै पर विजय प्राप्त की। ऐसा करने वाला वह पहला मुस्लिम सुल्तान था।

94. गुजरात के वाघेला राजवंश का वह अंतिम शासक कौन था, जिसकी हार के बाद, अलाउद्दीन खिलजी को राज्य दिया गया था?

(a) राम (b) अर्जुन देव

(c) सारंग देव (d) करन देव

SSC CGL (Tier-I) – 12/06/2019 (Shift-I)

Ans: (d) गुजरात के वाघेला राजवंश का अंतिम शासक करन देव था। वर्ष 1298 में अलाउद्दीन खिलजी ने अपनी सेना सहित गुजरात पर आक्रमण किया जिसमें वाघेला राजवंश के अंतिम राजपूत राजा करन देव की हार हुई और अलाउद्दीन खिलजी ने गुजरात को अपने साम्राज्य में मिला लिया था।

(iii) तुगलक वंश (Tughlaq Dynasty)

95. मुहम्मद बिन तुगलक ने चांदी के सिक्के के स्थान पर _____ नामक तांबे को सिक्का चलाया।

(a) रुपया (b) टंका

(c) जीतल (d) रूपक

SSC CGL (Tier-1) – 18/07/2023 (Shift-II)

Ans. (c): मुहम्मत बिन तुगलक ने चाँदी के सिक्के (टंका) के स्थान पर तांबे का सिक्का (जीतल) चलाया और आदेश दिया कि इसे टंका के समतुल्य स्वीकार किया जाएगा।

96. निम्नलिखित में से किस राजवंश के शासन काल में तैमूर या तामेरलेन ने 1398 ई. में भारत पर आक्रमण किया था?

(a) खिजली वंश (b) तुगलक वंश

(c) गुलाम वंश (d) सैय्यद वंश

SSC CGL (Tier-I) 12/04/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : तुगलक वंश के अंतिम शासक नासिरूद्दीन महमूद के शासन काल में तैमूर या तामेरलेन ने 1398 ई. में भारत पर आक्रमण किया था।

97. मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी राजधानी को दिल्ली से बदल कर कहाँ बनाई थी?

(a) आगरा (b) लाहौर

(c) मुंगेर (d) दौलताबाद

SSC CGL (TIER-1) 04-09-2016, 1.15 pm

Ans. (d) : मोहम्मद बिन तुगलक (1325 ई.–1351 ई.) ने 1327 ई. में अपनी राजधानी दिल्ली से दौलताबाद (देवगिरि) स्थानान्तरित किया ताकि उत्तर व दक्षिण भारत के सम्पूर्ण साम्राज्य को नियंत्रित किया जा सके।

- 1333 ई. में इसी के शासन काल में मोरक्को का प्रसिद्ध अफ्रीकी यात्री 'इब्न-बतूता' भारत आया। उसने दिल्ली में 8 वर्षों तक काजी का पद संभाला।
- मुहम्मद तुगलक ने कृषि विभाग के लिये 'दीवान-ए-अमीर कोही' नामक विभाग की स्थापना की ।

98. तैमूर लंग ने किस वर्ष में भारत पर आक्रमण किया?

(a) 1210 ई. (b) 1398 ई.
(c) 1492 ई. (d) 1526 ई.

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : अमीर तैमूर को भाग्यशाली भविष्य का स्वामी कहा जाता है। एक युद्ध में उसका एक पैर घायल हो गया था, जिसके कारण वह जीवन भर लंगड़ाता रहा, इसलिए उसे तैमूर लंग कहा जाता था। मार्च अप्रैल 1398 ई0 में तैमूर अपनी राजधानी समरकंद से भारत पर आक्रमण के लिए रवाना हुआ। 11 दिसम्बर 1398 को तैमूर दिल्ली पहुँचा। उस समय दिल्ली का शासक नासिरुद्दीन महमूद (तुगलक वंश का अंतिम शासक) था। 18 दिसम्बर 1398 ई0 को तैमूर व दिल्ली की शाही सेना के मध्य युद्ध हुआ। नासिरुद्दीन महमूद व मल्लू इकबाल पराजित हुए। तैमूर ने दिल्ली में कत्लेआम का आदेश दिया जो 15 दिन तक चलता रहा। अकूत सम्पत्ति लूटने के बाद 1399 ई0 में तैमूर फिरोजाबाद, मेरठ, हरिद्वार, कांगड़ा और जम्मू होते हुए वापस समरकन्द लौट गया। जाने से पहले उसने खिज्र खाँ को मुल्तान, लाहौर और दीपालपुर का सूबेदार नियुक्त किया।

(iv) सैय्यद वंश (Sayyid Dynasty)

99. सैय्यद राजवंश की स्थापना किसने की?

(a) निजाम शाह
(b) मुहम्मद-बिन-फरीद
(c) खिज्र खान
(d) बहलुल खान

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-II)
SSC CGL (TIER-1) 07-09-2016, 10 am

Ans : (c) सैय्यद वंश की स्थापना 1414 ई. में खिज्र खां ने किया था। ख़िज्र खां तैमूर लंग का सेनापति था। इसने सुल्तान की उपाधि न धारण करके रैयत-ए-आला की उपाधि धारण की थी। इसकी मृत्यु 20 मई 1421 ई. मे हो गयी थी। सैय्यद वंश का अंतिम सुल्तान अलाउद्दीन आलम शाह था।

(v) लोदी वंश (Lodi Dynasty)

100. ——— ने आगरा को अपने साम्राज्य की राजधानी बनाया था।

(a) जहांगीर (b) शाहजहाँ
(c) सिकंदर लोदी (d) हुमायूँ

SSC CGL (Tier-I) – 19/06/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : सिकंदर लोदी, लोदी वंश (1489-1517 ई.) का सर्वश्रेष्ठ शासक था। 1504 ई. में उसने आगरा शहर की स्थापना राजस्थान के शासकों पर अपने अधिकार को सुरक्षित रखने तथा व्यापारिक मार्गों पर नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से की थी। सिकन्दर लोदी ने आगरा को अपनी नयी राजधानी बनाया। इसके आदेश पर संस्कृत के एक आयुर्वेदिक ग्रन्थ का फारसी में 'फरहंगे सिकन्दरी' के नाम से अनुवाद किया गया।

(vi) सल्तनत कालीन प्रशासन (Administration of Sultanate Period)

101. निम्नलिखित में से कौन दिल्ली सल्तनत के अधीन दीवान-ए-इंशा विभाग का प्रमुख था?

(a) वकील-ए-दर (b) बरीद-ए-मुमालिक
(c) दबीर-ए-खास (d) अमीर-ए-दाद

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : दिल्ली सल्तनत के अधीन दीवान-ए-इंशा, दबीर-ए-खास की अध्यक्षता में शाही पत्राचार विभाग की देखभाल की जाती थी। दबीर केन्द्र और राज्य के अन्य क्षेत्रों के बीच संचार का औपचारिक चैनल था और सुल्तान का निजी सचिव था।

102. दिल्ली सल्तनत प्रशासन के संदर्भ में, राज्य पत्राचार विभाग को निम्न में से किस नाम से जाना जाता था?

(a) दीवान-ए-इंशा (b) दीवान-ए-अर्ज
(c) दीवान-ए-रसालत (d) दीवान-ए-खैरात

SSC CGL (Tier-I) 18/04/2022 (Shift-III)

Ans. (a) : दिल्ली सल्तनत प्रशासन के संदर्भ में, राज्य पत्राचार विभाग को दीवान-ए-इंशा नाम से जाना जाता था।

103. दिल्ली सल्तनत की राजकीय भाषा क्या थी?

(a) उर्दू (b) अरबी
(c) फारसी (d) हिन्दी

SSC CGL (TIER-1) 09-09-2016, 4.15 pm

Ans : (c) दिल्ली सल्तनत की राजकीय भाषा फारसी थी दिल्ली के सुल्तान फारसी को प्रोत्साहित करते थे। सबसे महत्वपूर्ण राजकीय पुस्तकालय दिल्ली में था, जिसमें फारसी भाषा का बोलबाला था। मुगल काल में भी फारसी राजकीय भाषा थी।

104. निम्नलिखित तुगलक राजवंश के किस सुल्तान ने चाँदी के सिक्के के स्थान पर तांबे के सिक्के चलाए थे?

(a) गियासुद्दीन तुगलक (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) फिरोज शाह तुगलक (d) महमूद तुगलक

SSC CGL (TIER-1) 06-09-2016, 10 am
SSC CGL (TIER-1) 31-08-2016, 4.15 pm

Ans : (b) मुहम्मद बिन तुगलक ने चाँदी के सिक्कों के स्थान पर सांकेतिक मुद्रा के रूप में ताँबे के सिक्के चलवाये। वह सोने और चाँदी जैसी कीमती धातुओ को नष्ट होने से बचाना चाहता था परन्तु बाजार में तांबे के नकली सिक्के आ जाने से उसकी योजना सफल न हो सकी। उसने तांबे के सारे सिक्के वापस लेकर खजाने से चाँदी के सिक्के दे दिये जिससे खजाना रिक्त हो गया। इस प्रकार उसकी यह योजना असफल साबित हुई।

vii. सल्तनत कालीन स्थापत्य (Architecture of Sultanate Period)

105. निम्नलिखित में से किस शहर में कुव्वत अल-इस्लाम मस्जिद स्थित है?

(a) दिल्ली (b) लाहौर
(c) पानीपत (d) अजमेर

SSC CGL (Tier-1) – 27/07/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद दिल्ली में स्थित है इसकी स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने करवाया था। कुतुबुद्दीन ऐबक गुलाम वंश का संस्थापक था। इसने गुलाम वंश की स्थापना 1206 ई. में किया था। कुतुबुद्दीन ऐबक मुहम्मद गोरी का गुलाम था। इसने अपनी राजधानी लाहौर में बनायी थी। कुतुबमीनार की नींव कुतुबुददीन ऐबक ने डाली थी तथा अजमेर का ढाई दिन का झोपड़ा नामक मस्जिद का निर्माण भी ऐबक ने करवाया था।

106. दिल्ली में कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद के दक्षिण प्रवेश द्वार अलाई-दरवाजे का निर्माण—— द्वारा करवाया गया था।

(a) मुइज-उद्-दीन मुहम्मद गोरी
(b) अहमद शाह दुर्रानी
(c) अला-उद्-दीन खिलजी
(d) मुहम्मद बिन तुगलक

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 05/03/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद के दक्षिण प्रवेश द्वार अलाई दरवाजा का निर्माण अलाउद्दीन खिलजी ने 1311 ई. में करवाया था। इसका साम्राज्य अफगानिस्तान से लेकर उत्तर मध्य भारत तक फैला था। स्थापत्य कला के क्षेत्र में अलाउद्दीन खिलजी ने वृत्ताकार 'अलाई दरवाजा' का निर्माण करवाया । अलाई दरवाजा प्रारम्भिक तुर्की कला का एक श्रेष्ठ नमूना है। इसके द्वारा बनवाये गये अन्य प्रमुख स्थल सीरी का किला (दिल्ली, 1303) तथा हजार खम्भा महल (दिल्ली) प्रमुख है।

107. कुतुब मीनार का नाम सूफी संत.....के नाम पर रखा गया था।

(a) सैयद वहीद अशरफ
(b) अलाउद्दीन साबिर कलियारी
(c) ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी
(d) कुतुब-उद-दीन ऐबक

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-III)

Ans: (c) कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी 'शेख मुइनुद्दीन चिश्ती' के शिष्य थे। वे कुतुबुद्दीन ऐबक और इल्तुतमिश के समकालीन थे तथा कुतुबुद्दीन ऐबक और इल्तुतमिश दोनों कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के शिष्य थे।

कुतुबुद्दीन ऐबक ने कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में दिल्ली के मेहरौली नगर में कुतुबमीनार का निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाया था।

viii. सल्तनत कालीन साहित्य (Literature of Sultanate Period)

108. दिल्ली सल्तनत काल में तबकात-ए-नासिरी की रचना किसने की थी?

(a) हसन निजामी (b) अमीर खुसरो
(c) मिन्हाज-उस-सिराज (d) जियाउद्दीन बरनी

SSC CGL (Tier-II) – 02/03/2023

Ans. (c) :

रचना	रचनाकार
तबकात-ए-नासिरी	मिन्हाज-उस-सिराज
खजाइन-उल-फुतूह-(तुगलकनामा)	अमीर खुसरो
ताजुल-मासिर	हसन निजामी
तरीख-ए-फिरोजशाही	जियाउद्दीन बरनी

109. तारीख-ए-फिरोज शाही के लेखक कौन हैं?

(a) अमीर खुसरो (b) अल-बिरूनी
(c) इब्न बतूता (d) जियाउद्दीन बरनी

SSC CGL (Tier-1) – 17/07/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : तारीख-ए-फिरोज शाही के लेखक जियाउद्दीन बरनी हैं।

110. भारत का तोता' के नाम से किसे जाना जाता है?

(a) तानसेन (b) इब्न बतूता
(c) अमीर खुसरो (d) जियाउद्दीन बरनी

SSC CGL (TIER-1) 07-09-2016, 4.15 pm
SSC CGL (TIER-1) 11-09-2016, 10 am

Ans. (c) : अमीर खुसरो का प्रारम्भिक नाम अबुल हसन था। ये फारसी के श्रेष्ठतम कवि, भाषा शास्त्री, गायक-विद्वान, इतिहासकार और खड़ी बोली हिन्दी को प्रारम्भ करने वाले थे। इन्हे 'तूती-ए-हिन्द' की उपाधि दी गई थी। ये दिल्ली के शासकों बलबन, कैकुबाद, जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी तथा मुहम्मद-बिन-तुगलक आदि के दरबार में रहे। इनकी प्रमुख रचनाएं तुगलकनामा, नूह सिपिहर, आशिका, खजाइन-उल-फुतूह तथा किरान-उस-सादेन आदि हैं।

2. सूफी एवं भक्ति आंदोलन (Sufism and Bhakti Movement)

(i) भक्ति आंदोलन (Bhakti Movement)

111. दक्षिण भारत के उस भक्ति संत का नाम बताइए, जो प्रारंभ में जैन थे और बारहवीं शताब्दी में एक चालुक्य राजा के दरबार में मंत्री थे।

(a) कराइक्कल अम्मइयर (b) बसवन्ना
(c) एकनाथ (d) तल्लपका अन्नमाचार्य

SSC CGL (Tier-1) – 27/07/2023 (Shift-III)

Ans. (b): दक्षिण भारत के संत बसवन्ना (1106-1168 ई.) लिंगायत आन्दोलन के जनक थे। ये प्रारम्भ में जैन मत को मानते थे तथा कल्याणी के चालुक्य वंश के राजा बिज्जला द्वितीय के दरबार में मंत्री थे।

112. भगवान राम पर केन्द्रित भक्ति आंदोलन के अग्रदूत कौन थे?

(a) नामदेव (b) रामानंद
(c) जयदेव (d) विवेकानंद

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-I)

Ans : (b) भगवान राम पर केन्द्रित भक्ति आंदोलन के अग्रदूत रामानंद थे। इन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम व सीता की आराधना को समाज के समक्ष रखा। इनका जन्म 1299 ई. को प्रयाग में हुआ था तथा इनकी शिक्षा बनारस में हुई थी। इनके प्रमुख शिष्य कबीर (जुलाहा), रैदास (हरिजन), धन्ना (जाट), सेना (नाई), पीपा (राजपूत) व सधना (कसाई) और दो स्त्रियाँ पद्मावती व सुरसरी थी।

113. विजयनगर के सम्राट कृष्णदेव राय ने अपनी/अपने _____ के नाम पर विजयनगर के समीप नागलपुरम नामक एक उपनगर की स्थापना की थी।

(a) गुरू (b) बहन
(c) पिता (d) माता

SSC CGL (Tier-1) – 14/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (d) : विजयनगर के सम्राट कृष्णदेव राय अपनी माता के नाम पर विजयनगर के समीप नगलपुरम् नामक एक उपनगर की स्थापना की।

114. 'पत्तनुलकर' गुजरात क्षेत्र से विजयनगर राज्य में चले गए। वे कौन थे?

(a) रेशम बुनकर (b) कपास व्यापरी
(c) सुनार (d) हीरा निर्माता

SSC CGL (Tier-1) – 24/07/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : 'पत्तनुलकर' गुजरात क्षेत्र से विजयनगर राज्य में चले गये रेशम बुनकर थे।

115. फारसी दूत अब्दुर रज्जाक किसके शासन काल विजयनगर आया था।

(a) देव राय II (b) देव राय I
(c) बुक्का I (d) हरिहर II

SSC CGL (Tier-1) – 19/07/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : फारसी यात्री अब्दुर्रज्जाक (1443-1444 ई.) ने देवराय द्वितीय के शासन काल में विजयनगर साम्राज्य की यात्रा की थी। विजयनगर के बारे में वह लिखता है कि ''मैने पूरे विश्व में इसके समान दूसरा शहर न देखा न सुना है। यह इस प्रकार बना हुआ है कि एक के भीतर सात परकोटे हैं।'' अब्दुर्रज्जाक एक फारसी विद्वान और इतिहासकार था, जो तैमूर राजवंश के शासक शाहरूख के राजदूत के रूप में विजयनगर साम्राज्य का दौरा किया।

116. कृष्णदेव राय ने तेलुगू में.....पर एक कृति की रचना की, जिसे अमुक्तमाल्यदा के नाम से जाना जाता है।

(a) संगीत (b) शासन-कला
(c) नृत्य (d) औषधि

SSC CGL (Tier-1) – 20/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (b): कृष्णदेवराय (1509-1529) विजयनगर साम्राज्य के सर्वाधिक प्रसिद्ध राजा थे। वे स्वयं कवि एवं कवियों के संरक्षक थे तेलुगू भाषा में उनका काव्य 'आमुक्तमाल्यद' साहित्य का एक रत्न है। तेलुगू भाषा के आठ प्रसिद्ध कवि उनके दरबार में थे जो 'अष्टदिग्गज' के नाम से प्रसिद्ध थे। इतिहासकार तेजपाल सिंह धामा ने हिन्दी में इनके जीवन पर प्रामाणिक उपन्यास 'आंध्रभोज' लिखा है। बाबर ने अपनी आत्मकथा 'बाबरनामा' में जिन भारतीय राज्यों का उल्लेख किया है, उनमें विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय को तत्कालीन भारत का सबसे शक्तिशाली शासक कहा है। कृष्णदेवराय एक महान विद्वान, विद्याप्रेमी व विद्वानों के संरक्षक भी थे। इसलिए इन्हे तेलुगू भोज, आन्ध्र भोज कहा जाता है। इनका काल तेलुगू साहित्य का क्लासिकल युग माना जाता है। कृष्णदेवराय ने संस्कृत भाषा में ''जाम्बवती कल्याणम' और 'ऊषा परिणयम' की रचना की।

117. दिल्ली सल्तनत की निम्नलिखित में से किस प्रणाली/व्यवस्था का बहमनी और विजयनगर साम्राज्यों पर प्रभाव था?

(a) बिटिकची (b) चहलगनी
(c) इक्तादारी (d) वाली

SSC CGL (Tier-1)– 17/07/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : दिल्ली सल्तनत की इक्तादारी प्रणाली/व्यवस्था का बहमनी और विजयनगर साम्राज्यों पर प्रभाव था इक्ता का अर्थ है वह भूखंड जिससे आने वाला एक भू-राजस्व किसी भी अधिकारी या सैनिक का वेतन होता था। यह एक क्षेत्रीय अनुदान था जिसे पाने वाले को मुक्ति, वली और इक्तेदार कहा जाता था जो नकद वेतन ना लेकर भूमि का कुछ भाग लेते थे। इल्तुतमिश के शासन काल में इक्ता व्यवस्था प्रशासन का आधार थी।

118. विजयनगर की प्राचीन राजधानी, हम्पी कहाँ पर स्थित है?

(a) केरल (b) कर्नाटक
(c) तेलंगाना (d) तमिलनाडु

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर एवं बुक्का ने की थी। इसकी राजधानी हम्पी थी जो वर्तमान में कर्नाटक में है। विजयनगर साम्राज्य के (हंपी के) खंडहर तुंगभद्रा नदी पर स्थित है। इसकी राजभाषा तेलुगू थी।

119. तालीकोटा के युद्ध के समय विजयनगर साम्राज्य में कौन से राजवंश का राज था?

(a) संगम (b) अनिरिदु
(c) तुलुव (d) सालुव

SSC CGL (TIER-1) 01-09-2016, 10 am
SSC CGL 08-09-2016, 10 am

Ans : (c) तुलुव राजवंश विजयनगर का तीसरा राजवंश था यह राजवंश 1505 से 1570 ई. तक चला था। इसी राजवंश के समय तालीकोटा का युद्ध 23 जनवरी, 1565 ई. को हुआ था। कृष्ण देव राय इस राजवंश के सबसे प्रमुख राजा थे। विजयनगर में संगम राजवंश (1336-1485) प्रथम राजवंश तथा सालुव (1485 - 1491) द्वितीय राजवंश था।

4. बहमनी राज्य (Bahmani Kingdom)

120. बहमनी साम्राज्य की स्थापना अलाउद्दीन बहमन शाह ने ___ में की थी।

(a) 1347 (b) 1346
(c) 1336 (d) 1345

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : दक्कन (द. भारत) में मुहम्मद बिन तुगलक के शासन काल के अन्तिम दिनों में 1347ई. में हसन गंगू नामक सरदार ने अलाउद्दीन हसन बहमन शाह की उपाधि धारण करके सिंहासनारूढ़ हुआ और बहमनी साम्राज्य की स्थापना की। उसने गुलबर्गा को अपने नवसंस्थापित राज्य की राजधानी बनाया और उसका नाम अहसानाबाद रखा। ध्यातव्य है कि 1425 ई. में इसकी राजधानी बीदर हो गयी।

5. मुगल साम्राज्य (Mughal Empire)

(i) बाबर (Babar)

121. राणा सांगा के नेतृत्व में राजपूत सेनाओं और बाबर के बीच खानुआ (खानवा) की लड़ाई किस वर्ष हुई थी?

(a) 1527 (b) 1526
(c) 1522 (d) 1529

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-II)

Ans. (a) : खानवा का युद्ध 17 मार्च, 1527 ई. को आगरा के पास खानवा नामक स्थान पर बाबर और राणा सांगा के मध्य लड़ा गया जिसमें बाबर विजयी हुआ। भारत में मुगलों की सत्ता स्थापित करने के लिए बाबर ने पानीपत का युद्ध (1526), खानवा का युद्ध (1527), चन्देरी का युद्ध (1528) तथा घाघरा का युद्ध (1529) के युद्धों से मजबूत मुगल साम्राज्य को स्थापित किया।

122. निम्नलिखित में से कौन भारत के प्रथम मुगल सम्राट थे?

(a) औरंगजेब (b) बाबर
(c) हुमायूँ (d) अकबर

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-I)

Ans. (b) : बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराकर भारत में 'मुगल वंश' की स्थापना की। बाबर का पूरा नाम 'जहीरूद्दीन मुहम्मद बाबर' था। उसका जन्म 14 फरवरी 1483 ई. को फरगना (उज्बेकिस्तान) में हुआ था। बाबर ने भारत पर प्रथम आक्रमण बाजौर पर 1519 ई. में यूसुफजाई जाति के विरूद्ध किया था। बाबर ने अपनी आत्मकथा 'बाबरनामा' तुर्की भाषा में लिखा।

(ii) हुमायूँ (Humayun)

123. हुमायूँ ने अपनी सत्ता को पुनः प्राप्त करने के लिए किस सूरी राजा को हराया था?

(a) महमूद सूरी (b) शेर शाह सूरी
(c) सिकंदर सूरी (d) बहलोल सूरी

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-III)

Ans : (c) बिलग्राम के युद्ध में शेरशाह सूरी के हाथों हार के बाद हुमायूँ भारत छोड़ने को विवश हो गया था। सरहिन्द के युद्ध (1555 ई.) में अफगान सेना का नेतृत्व सिकन्दर सूरी एवं मुगल सेना का नेतृत्व बैरम खां ने किया इस युद्ध में अफगान (सिकन्दर सूरी) हार गया और पुनः हुमायूँ ने दिल्ली पर अपनी सत्ता प्राप्त कर ली।

124. चौसा का युद्ध हुमायूँ और —— के बीच लड़ा गया था।

(a) शेरशाह सूरी (b) नादिर शाह
(c) हेमू (d) कृष्णदेव राय

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 06/03/2020 (Shift-II)

Ans. (a) : चौसा का युद्ध 26 जून, 1539 ई. को शेरशाह सूरी और हुमायूँ के मध्य हुआ था। इस युद्ध में हुमायूँ की पराजय हुई थी।

(iii) शेरशाह सूरी (Shershah Suri)

125. कन्नौज की लड़ाई कब लड़ी गई थी?

(a) 1524 (b) 1540
(c) 1536 (d) 1556

SSC CGL (Tier-I) – 13/06/2019 (Shift-I)

Ans: (b) कन्नौज का युद्ध 1540 ई. में शेरशाह सूरी और हुमायूँ के बीच हुआ था, जिसमें हुमायूँ की हार हुई। इसी युद्ध की सफलता के पश्चात् शेरशाह सूरी ने सरलता से आगरा एवं दिल्ली पर अधिकार कर लिया। 'कन्नौज के युद्ध को बिलग्राम के युद्ध के नाम' से भी जाना जाता है।

(iv) अकबर (Akbar)

126. लगभग 50 वर्ष शासन करने के पश्चात.....की मृत्यु 1605 में हुई थी। उसे आगरा से बाहर सिकंदरा में दफनाया गया था।

(a) अकबर (b) औरंगजेब
(c) शाहजहां (d) जहांगीर

SSC CGL (Tier-I) – 10/06/2019 (Shift-I)

Ans: (a) मुगल सम्राट अकबर का जन्म 15 अक्टूबर, 1542 ई. को हमीदा बानो बेगम के गर्भ से अमरकोट के राजा वीरसाल के महल में हुआ था तथा भारत में लगभग 50 वर्ष शासन करने के पश्चात 1605 ई. में अकबर की मृत्यु हो गई तथा उसको आगरा के बाहर सिकंदरा में दफनाया गया था। अकबर ने दीन-ए-इलाही धर्म चलाया था। बीरबल इसके दरबार के नौ रत्नों में से एक थे। इसके काल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णकाल कहा जाता है। अकबर के द्वारा निर्माण कराई गई प्रमुख इमारतें निम्न हैं- बुलन्द दरवाजा, इलाहाबाद का किला आदि।

127. हुमायूँ के उत्तराधिकारी, ... का जन्म हुमायूँ के निर्वासन काल में हुआ था और वह उत्तराधिकारी जब 13 वर्ष का था तब उसके पिता की मृत्यु हो गई थी।

(a) अकबर (b) शाहजहाँ
(c) जहाँगीर (d) बाबर

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-II)

Ans : (a) जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर या अकबर महान नासिरूद्दीन हुमायूँ का पुत्र था। अकबर का जन्म 15 अक्टूबर 1542 को राणा वीरसाल के महल में हमीदा बानो बेगम के गर्भ से हुआ। अकबर मात्र तेरह वर्ष की उम्र में अपने पिता नासिरूद्दीन मुहम्मद हुमायूँ के मृत्यु उपरांत 1556 में दिल्ली की राजगद्दी पर बैठा। सम्राट के रूप में अकबर ने शक्तिशाली हिन्दू राजपूत राजाओं से राजनयिक संबंध बनाये और उनके यहाँ विवाह भी किया।

128. वर्ष 1556 में मुगल साम्राज्य का सिंहासन किसे प्राप्त हुआ?

(a) अकबर (b) शेर शाह सूरी
(c) जहाँगीर (d) शाहजहाँ

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-III)

Ans. (a): मुगल शासक हुमायूँ की मृत्यु (1556 ई.) के बाद मुगल साम्राज्य का सिंहासन अकबर को प्राप्त हुआ। अकबर का राज्याभिषेक 14 फरवरी 1556 ई. को पंजाब के कलानौर नामक स्थान पर हुआ। यह जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर बादशाही गाजी की उपाधि से राजसिंहासन पर बैठा।

129. अपने शासनकाल के शुरूआती वर्षों के दौरान, अकबर का शासन वास्तव में उनके ..... नामक शासक द्वारा चलाया जाता था।

(a) अब्दुल रहीम (b) मिर्जा हाकिम
(c) बैरम खॉ (d) उलुग बेग

SSC CGL (TIER-1) 27-08-2016, 10am

Ans. (c) : अकबर का शासन (शुरूआती वर्षों) वास्तव में बैरम खाँ नामक संरक्षक द्वारा चलाया जा रहा था। हुमायूँ के द्वारा बैरम खाँ को खान-ए-खाना (राजाओं का राजा) की उपाधि दी गयी थी। बैरम खाँ ने पानीपत के द्वितीय युद्ध में मुगल सेना का नेतृत्व किया था। हुमायूँ की मृत्यु के समय अकबर पंजाब में सिकन्दर सूर को समाप्त करने के प्रयत्न में संलिप्त था। उस समय बैरमखाँ उसके संरक्षक के रूप में कार्य कर रहा था।

130. 1564 में मुगल सेनाओं से लड़ते हुए गढ़ कटंगा का बचाव करने के दौरान किस रानी की मृत्यु हो गई?

(a) रानी दुर्गावती (b) रानी अवंतीबाई
(c) रानी रूद्रांबरा (d) रानी अहिल्याबाई

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-I)

Ans : (a) वर्ष 1564 में मुगल सेनाओं से लड़ते हुए गढ़ कटंगा का बचाव करने के दौरान रानी दुर्गावती की मृत्यु हो गई। मुगल सेना का नेतृत्व आसफ खाँ ने किया था। रानी दुर्गावती गोंडवाना की शासिका थी। 1549 से 1564 ई. तक रानी दुर्गावती ने अपने पुत्र वीरनारायण की संरक्षिका के रूप में यहाँ शासन किया।

131. सम्राट अकबर के दरबार में टोडरमल ——— थे।

(a) शिक्षा मंत्री (b) संस्कृति मंत्री
(c) स्टाफ प्रमुख (d) वित्त मंत्री

SSC CGL (Tier-I) – 19/06/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : भू-राजस्व के क्षेत्र में सुधार के लिए टोडरमल का नाम प्रसिद्ध है। वह अकबर के वित्तमंत्री के रूप में कार्यरत थे। इन्होंने 1580 ई. में 'दहसाला बन्दोबस्त' व्यवस्था लागू की थी।

132. निम्नलिखित में से किसने 'दीन-ए-इलाही' आरंभ किया था?

(a) बाबर (b) हुमायूँ
(c) जहाँगीर (d) अकबर

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-II)

Ans.(d): 'दीन-ए-इलाही' 1582 ई. में अकबर द्वारा विभिन्न धर्मों के बीच मतभेद को खत्म करने के लिए चलाया गया एक नया धर्म था। यह धार्मिक सहिष्णुता और उदार लोकेश्वरवाद का प्रतीक था जिसमें विभिन्न धर्मों के अच्छे सिद्धांतों का समावेश था। दीन-ए-इलाही को अबुल फजल, बीरबल और फैजी द्वारा स्वीकार किया गया था।

133. तुकारोई की लड़ाई कब लड़ी गई थी?

(a) 1665 (b) 1546
(c) 1532 (d) 1575

SSC CGL (Tier-I) – 13/06/2019 (Shift-I)

Ans : (d) तुकारोई का युद्ध 3 मार्च 1575 ई. में अकबर के सेनापति मुनीम खॉ के नेतृत्व में लड़ा गया। जिसमें उसने बंगाल के अफगान शासक दाऊद को परास्त किया था।

(v) जहाँगीर (Jahangir)

134. मेवाड के सिसोदिया राजपूत शासक,अमर सिंह ने ____ के शासनकाल के दौरान मुगलों की सेवा का स्वीकार किया था।

(a) औरंगजेब (b) अकबर
(c) बाबर (d) जहांगीर

SSC CGL (Tier-1)– 18/07/2023 (Shift-III)

Ans. (d): मेवाड़ के सिसोदिया राजपूत शासक अमर सिंह ने 'जहांगीर' के शासनकाल के दौरान मुगलों की सेवा को स्वीकार किया था। अमर सिंह का शासनकाल 1597से 1520 ई. था। 5 फरवरी 1615 को जहाँगीर और अमर सिंह के बीच मुगल-मेवाड़ संधि पर हस्ताक्षर हुआ था।

135. विलियम हॉकिन्स_____ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में सम्राट जहांगीर से मिले थे।

(a) डच (b) पुर्तगाली
(c) फ्रेंच (d) इंग्लिश

SSC CGL (Tier-I) 19/04/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : विलियम हॉकिन्स इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में सम्राट जहांगीर से मिले थे।

136. सर थॉमस रो इंग्लैंड के किंग जेम्स-I के आधिकारिक राजदूत के रूप में किस मुगल सम्राट के दरबार में आए थे?

(a) औरंगजेब (b) अकबर
(c) शाहजहाँ (d) जहाँगीर

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-I)
SSC CGL (Tier-I) – 12/06/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : सर थॉमस रो इंग्लैंड के किंग जेम्स के आधिकारिक राजदूत के रूप में मुगल सम्राट जहाँगीर के दरबार में 1615 ई. में आया। थॉमस रो 14 जनवरी, 1616 को अजमेर में जहाँगीर से पहली बार मिला। बाद में वह जहाँगीर के साथ मांडू और अहमदाबाद भी गया। 1619 में थॉमस रो जहॉगीर का यह फरमान लेकर इंग्लैण्ड लौटा कि मुगल दरबार में अंग्रेजों का इसी प्रकार स्वागत होगा। उसका विवरण 'हुकलुगत सोसायटी' द्वारा प्रकाशित किया गया।

137. .....ने मेहर-उन्-निसा से निकाह किया था जिसे उन्होंने 'नूरजहां' (विश्व ज्योति) की उपाधि प्रदान की थी।

(a) शाहजहां (b) औरंगजेब
(c) अकबर (d) जहांगीर

SSC CGL (Tier-I) – 10/06/2019 (Shift-I)
SSC CGL (Tier-I)-2019 – 06/03/2020 (Shift-I)

Ans : (d) जहांगीर ने मेहर-उन्-निसा से निकाह मई 1611 ई. में किया था, जिसे उन्होंने नूरमहल एवं नूरजहाँ की उपाधि प्रदान की थी। नूरजहाँ ईरान निवासी मिर्जा ग्यास बेग की पुत्री थी। नूरजहाँ ने विवाह के बाद नूरजहाँ गुट बनाया जिसमें उसके पिता एतमादउद्दौला (मिर्जा ग्यास बेग) माता अस्मत बेगम व भाई आसफ खाँ व शाहजादा खुर्रम शामिल थे। जहाँगीर के मकबरे का निर्माण नूरजहाँ ने करवाया था तथा इत्र की खोज नूरजहाँ की माँ ने किया था।

138. अकबर के बाद सत्ता संभालने वाले उनके पुत्र सलीम को.....का खिताब मिला, जिसका अर्थ है 'विश्व विजेता'।

(a) शाहजहाँ (b) जहाँगीर
(c) बादशाह (d) जहापनाह

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-II)

Ans : (b) जहाँगीर का जन्म फतेहपुर सीकरी में राजा भारमल की पुत्री जोधाबाई के गर्भ से 30 अगस्त, 1569 ई. को हुआ था। सलीम (जहाँगीर) अकबर के तीन पुत्रों में से एक था, जो मुगल वंश का चौथा बादशाह बना। सलीम, अकबर की मृत्यु के बाद 'नूरूद्दीन मोहम्मद जहाँगीर के उपनाम से (24 अक्टूबर 1605 ई. को) तख्त पर बैठा।

(vi) शाहजहाँ (Shahjahan)

139. .....को 'वास्तुकार राजा' कहा जाता है क्योंकि उसके शासनकाल के दौरान, दुनिया ने मुगल साम्राज्य की कला और संस्कृति का एक अनूठा विकास देखा ।

(a) शाहजहां (b) जहांगीर
(c) औरंगजेब (d) अकबर

SSC CGL (Tier-I) – 10/06/2019 (Shift-I)

Ans : (a) मुगल बादशाह शाहजहां (1627-1657 ई.) जहाँगीर का पुत्र था। शाहजहाँ के शासनकाल को मुगलकालीन स्थापत्य कला का स्वर्ण युग कहा जाता है तथा शाहजहाँ को वास्तुकार राजा भी कहा जाता है क्योंकि इसके शासनकाल के दौरान दुनिया ने मुगल साम्राज्य की कला और संस्कृति का एक अनूठा विकास देखा। शाहजहाँ द्वारा बनवायी गयी प्रमुख इमारतें निम्न हैं- दिल्ली का लाल किला, दीवाने आम, दीवाने खास, दिल्ली की जामा मस्जिद, आगरा की मोती मस्जिद, ताजमहल एवं लाहौर किला स्थित शीश महल आदि मुगलकालीन स्थापत्य कला का जीता जागता नमूना है।

(vii) औरंगजेब (Aurangzeb)

140. ..... के शासनकाल में मुगल साम्राज्य क्षेत्र के मामले में अपने चरम पर पहुंच गया था।

(a) जहांगीर (b) औरंगजेब
(c) शाहजहां (d) अकबर

SSC CGL (Tier-I) – 10/06/2019 (Shift-I)

Ans : (b) औरंगजेब मुगल बादशाह 'शाहजहाँ' (1627-1657 ई.) का पुत्र था। इसका जन्म 3 नवम्बर, 1618ई. में दोहाद (उज्जैन) में हुआ था। औरंगजेब के शासन काल में मुगल साम्राज्य क्षेत्र के मामले में अपने चरम पर पहुँच गया था । इसे जिंदापीर भी कहा जाता था। सिक्खों के 9वें गुरु तेगबहादुर की हत्या औरंगजेब ने ही दिल्ली में करवा दी थी।

(viii) मुगलकालीन प्रशासन (Mughal Administration)

141. 'जात और सवार' निम्नलिखित में से किस प्रशासनिक प्रणाली से संबंधित है?

(a) जमींदारी प्रणाली (b) इक्तदारी प्रणाली
(c) मनसबदारी प्रणाली (d) जोतदारी प्रणाली

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-I)

Ans : (c) मुगल सम्राट अकबर के द्वारा शासन व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए मनसबदारी प्रथा का प्रारम्भ किया गया था। मुगलकालीन शासन व्यवस्था पूर्णतः मनसबदारी प्रथा पर आधारित थी जिसमें दो शब्द जात और सवार का उल्लेख है। जिसमें जात से तात्पर्य व्यक्ति के व्यक्तिगत पद एवं वेतन व प्रतिष्ठा से था तथा सवार पद से तात्पर्य मनसबदार को प्रदान किए गए घुड़सवार दस्तों की संख्या से था।

(ix) मध्यकालीन स्थापत्य (Medieval Architecture)

142. अलंकरण की कला, जिसे पिएट्रा ड्यूरा कहा जाता है, किसके शासलकाल में लोकप्रिय हुई ?

(a) अकबर (b) शाहजहां
(c) जहांगीर (d) शेरशाह सूरी

SSC CGL (Tier-1) – 19/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (b) : अलंकरण की कला जिसे पिएट्रा ड्यूरा कहा जाता है, शाहजहाँ के शासनकाल में लोकप्रिय हुई। इसे पर्चिनकारी भी कहा जाता है। इसमें अत्यधिक पॉलिश किए गए रंगीन पत्थरों का उपयोग करके छवियों को बनाने के लिए काटने और जड़ने की तकनीक के रूप में किया जाता है।

143. निम्न में से किस शासक ने जयपुर में हवा महल का निर्माण करवाया था?

(a) सवाई माधो सिंह (b) सवाई प्रताप सिंह
(c) सवाई मान सिंह (d) सवाई जय सिंह

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : हवा महल राजस्थान के जयपुर में स्थित है जिसका निर्माण महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने 1799 में करवाया था। इसको लाल चन्द उस्ताद ने डिजाइन किया था तथा यह महल राजपूताना वास्तुकला का प्रतीक है। इस महल में लगभग 953 छोटी खिड़कियाँ हैं जिन्हें झरोखा कहा जाता है। यह 5 मंजिला पिरामिड के आकार का तथा लाल और गुलाबी बलुआ पत्थरों से बनाया गया है।

144. सिकंदरा में सम्राट _____का मकबरा है।

(a) अकबर (b) हुमायूं
(c) जहांगीर (d) शाहजहॉ

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-I)
SSC CGL (TIER-1) 06-09-2016, 10 am

Ans. (a) : सिकंदरा में सम्राट अकबर का मकबरा है।

145. दिल्ली का लाल किला और जामा मस्जिद ..... के शासन की वास्तुकला की विशाल उपलब्धियां हैं।

(a) शाहजहाँ (b) अकबर
(c) जहाँगीर (d) औरंगजेब

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-II)

Ans : (a) शाहजहाँ के शासनकाल को मुगलकालीन स्थापत्य कला का स्वर्णिम युग कहा जाता है। शाहजहाँ को विशेष रूप से ताजमहल निर्माण के लिए याद किया जाता है। शाहजहाँ ने दिल्ली का लालकिला, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, दिल्ली की जामा मस्जिद तथा आगरा का मोती मस्जिद बनवाया ।

146. महाराजा सवाई जय सिंह-द्वितीय द्वारा नाहरगढ़ किले का निर्माण किस वर्ष में करवाया गया था?

(a) 1780 (b) 1800
(c) 1805 (d) 1734

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 05/03/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : नाहरगढ़ किले राजस्थान (जयपुर) का निर्माण 1734 ई. में सवाई जय सिंह द्वारा करवाया गया था। नाहरसिंह भोमिया के नाम पर इस दुर्ग का नाम नाहरगढ़ रखा गया। इस दुर्ग के पास जैविक उद्यान स्थित है।

147. ——— का गोल गुम्बद (गुम्बज) मुहम्मद आदिल शाह का मकबरा है।

(a) आगरा (b) बीजापुर
(c) दिल्ली (d) इलाहाबाद (अब प्रयागराज)

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)
SSC CGL (TIER-1) 08-09-2016, 4.15 pm

Ans. (b) : बीजापुर का गोल गुम्बद आदिलशाही वंश के 7वें सम्राट मुहम्मद आदिलशाह का मकबरा है, यह दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक के शहर बीजापुर में स्थित है। यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गुम्बद है। आदिलशाह 1627 से 1656 ई. के बीच शाही राजवंश का शासक था। साधारण निर्माण होने पर भी यह गुम्बज अपनी स्थापत्य विशेषताओं के कारण भारतीय दक्षिण वास्तुकला का विजय स्तंभ माना जाता है। इसका निर्माण फारसी वास्तुकार याकूत ने करवाया। इस गुम्बद का निर्माण करीब 30 वर्षो में हुआ।

148. मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी पत्नी ..... की याद में ताज महल बनाया था?

(a) रोशन आरा (b) नूरजहाँ
(c) जहाँआरा (d) मुमताज महल

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-II)

Ans. : (d) मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में ताजमहल बनवाया था। मुमताज महल का वास्तविक नाम 'अर्जुमंद बानो बेगम' था। मुमताज, नूरजहाँ के भाई आसफ खाँ की पुत्री थी जिसका निकाह मुगल सम्राट जहाँगीर के पुत्र खुर्रम खाँ (शाहजहाँ) से 10 मई, 1612 को हुआ था।

149. नवाब शुजा-उद-दौला ने एक बगीचे के बीच में स्थापित सफदरजंग के मकबरे का निर्माण.....में करवाया था।

(a) उत्तर प्रदेश (b) उत्तराखंड
(c) दिल्ली (d) बिहार

SSC CGL (Tier-I) – 10/06/2019 (Shift-I)

Ans : (c) नवाब शुजा-उद-दौला ने एक बगीचे के बीच में स्थित सफदरजंग के मकबरे का निर्माण दिल्ली में करवाया था। यह मकबरा मुगल बादशाह मुहम्मद शाह (1719-1748) के प्रधानमंत्री सफदरजंग का था। यह सफेद संगमरमर का बना हुआ है तथा इस मकबरे का ढ़ॉचा हुमायूँ के मकबरे के स्थापत्य कला पर आधारित था।

150. निम्नलिखित में से कौन सा स्मारक कुतुब परिसर का भाग नहीं है?

(a) बुलंद दरवाजा (b) कुतुब मीनार
(c) कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद (d) अलाई दरवाजा

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 06/03/2020 (Shift-II)

Ans. (a) : बुलन्द दरवाजा, आगरा से 43 किमी. दूर फतेहपुर सीकरी नामक स्थान पर स्थित है। यह लाल-बलुआ पत्थर से बना है जिसे सफेद संगमरमर से सजाया गया है। अलाई दरवाजा, कुतुब मीनार तथा कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद कुतुब परिसर का भाग है जो दिल्ली में स्थित है।

(x) मुगलकालीन साहित्य (Literature during Mughal Period)

151. 'बादशनामा' की रचना निम्नलिखित में से किसके द्वारा की गई है ?

(a) बाबर (b) अबुल फजल
(c) अब्दुल हमीद लाहौरी (d) इनायत खान

SSC CGL Mains -26/10/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : बादशनामा की रचना अब्दुल हमीद लाहौरी द्वारा की गयी थी। सम्राट शाहजहाँ-I के शासनकाल के आधिकारिक इतिहास के रूप में लिखी गई कृतियों का एक समूह है।

152. मुगल दरबार के इतिहास ____में लिखे गए हैं।

(a) अरबी (b) तुर्की
(c) फ़ारसी (d) उर्दू

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : मुगल दरबार के इतिहास फारसी में लिखे गए हैं।

153. जैसा कि अबुल फज़ल-ए-अल्लामी द्वारा लिखित 'आइन-ए-अकबरी' में वर्णित है, 'गज (लंबाई मापने की इकाई) को _____नामक समान भागों में विभाजित किया गया था।

(a) अंगुल (b) तस्सुज
(c) राजाकन (d) लिक्षा

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : जैसा कि अबुल फज़ल-ए-अल्लामी द्वारा लिखित 'आइन-ए-अकबरी' में वर्णित है, 'गज (लंबाई मापने की इकाई) को 'तस्सुज' नामक समान भागों में विभाजित किया गया था।

154. आइन-ए-अकबरी' पुस्तक के लेखक का नाम बताएँ?

(a) अब्दुल रहीम खान-ए-खाना (b) दारा शिकोह
(c) टोडर मल (d) अबुल फजल

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-I)

Ans. (d) 'आईन-ए-अकबरी' अबुल फजल द्वारा रचित 'अकबरनामा' का ही एक भाग है। अकबरनामा के तीन भाग हैं जिसमें से तीसरे भाग को 'आईन-ए-अकबरी' कहते हैं।
प्रथम भाग में अकबर के पूर्वजों तथा उसके आरंभिक जीवन का वर्णन है।
दूसरा भाग अकबर काल के घटनाक्रमों से संबंधित है।
तीसरे भाग अर्थात् आईन-ए-अकबरी में अकबर के शासनकाल से संबंधित ऑकड़े तथा शासन व्यवस्था संबंधी अन्य नियमों का वर्णन है।

6. उत्तरकालीन मुगल शासक (Rulers of Later Mughal Period)

155. निम्नलिखित में से अवध का अंतिम नवाब कौन था?

(a) सआदत अली खान
(b) अमजद अली खान
(c) मुहम्मद मुकीम
(d) वाजिद अली शाह

SSC CGL (Tier-I) – 13/06/2019 (Shift-II)

Ans : (d) नवाब वाजिद अली शाह उत्तर-प्रदेश के अवध के नवाब थे। ये अवध प्रांत के दसवें और अंतिम नवाब थे। 1856 में अंग्रेजो ने वाजिद अली शाह के राज्य पर कब्जा कर उन्हें कलकत्ता भेज दिया । वाजिद अली शाह 'ठुमरी' संगीत विद्या के जनक थे।

7. सिक्ख धर्म (Sikhism)

156. सिख धर्म के छठे गुरु निम्नलिखित में से कौन हुए थे?

(a) गुरु अर्जुन (b) गुरु हरगोबिंद
(c) गुरु राम दास (d) गुरु अंगद

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-III)

Ans. (b) : सिख सम्प्रदाय के दस गुरू -

1. गुरु नानक	-	सिख धर्म के संस्थापक
2. गुरु अंगद	-	गुरुमुखी लिपि के जनक
3. गुरु अमरदास	-	गुरु प्रसार हेतु 22 गद्दियों का निर्माण
4. गुरु रामदास	-	अमृतसर के संस्थापक
5. गुरु अर्जुनदेव	-	गुरु ग्रंथ साहिब का संकलन तथा स्वर्ण मंदिर का निर्माण जहाँगीर द्वारा मृत्युदण्ड दिया गया।
6. गुरु हरगोविन्द	-	अकाल तख्त की स्थापना तथा सिखों को एक लड़ाकू जाति में बदला।
7. गुरु हरराय	-	उत्तराधिकार (मुगलो) के युद्ध में भाग लिये
8. गुरु हरिकिशन	-	अल्प वयस्क अवस्था में मृत्यु
9. गुरु तेगबहादुर	-	औरंगजेब द्वारा फांसी दी गयी।
10. गुरु गोविन्द सिंह-		खालसा सेना का गठन

157. श्री अकाल तख्त साहिब _____परिसर के भीतर स्थित है।

(a) गुरुद्वारा बंगला साहिब
(b) पटना साहिब
(c) स्वर्ण मंदिर
(d) पांवटा साहिब

SSC CGL (Tier-I) 21/04/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : श्री अकाल तख्त साहिब स्वर्ण मंदिर परिसर के भीतर स्थित है।

158. श्री गुरू गोबिंद सिंह की मृत्यु के बाद, सिखों ने बंदा बहादुर के नेतृत्व में _____के खिलाफ विद्रोह किया था।

(a) मराठों (b) मुगलों
(c) अंग्रेजों (d) गोरखाओं

SSC CGL (Tier-I) 19/04/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : श्री गुरू गोबिंद सिंह की मृत्यु के बाद, सिखों ने बंदा बहादुर के नेतृत्व में मुगलों के खिलाफ विद्रोह किया था।

159. .....ने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के नाम से विख्यात विश्व प्रसिद्ध हरमंदिर साहिब का निर्माण कराया।

(a) गुरु अंगद देव (b) गुरु अर्जुन देव
(c) गुरु श्री हर राय (d) गुरु राम दास

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-III)

Ans : (b) गुरु नानक ने 'गुरु का लंगर' नामक निःशुल्क भोजनालय की स्थापना की थी। गुरु अर्जुन देव सिक्खों के पाँचवें गुरु थे, इन्होंने सिक्खों के धार्मिक ग्रन्थ 'आदि ग्रन्थ' की रचना की थी। इन्होने ही अमृतसर जलाशय के मध्य में 'हरमन्दिर साहिब' का निर्माण कराया था। राजकुमार खुसरो की सहायता करने के कारण जहाँगीर ने 1606 ई. में गुरु अर्जुन देव को मृत्युदण्ड दे दिया।

8. विविध (Miscellaneous)

160. निम्नलिखित में से किस शासक के अधीन दिल्ली सबसे पहले राजधानी बनी?

(a) इल्तुतमिश राजवंश (b) खिलजी राजवंश
(c) तोमर राजपूत (d) अजमेर के चौहान

SSC CGL (Tier-I) 11/04/2022 (Shift-III)

Ans. (c) : तोमर राजपूत शासक के अधीन दिल्ली सबसे पहले राजधानी बनी।

161. डी. सी. सरकार ने किस वर्ष भारतीय पुरालेख और भारतीय पुरालेखीय शब्दावली प्रकाशित की थी?

(a) 1966-67 (b) 1967-68
(c) 1965-66 (d) 1964-65

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 06/03/2020 (Shift-I)

Ans : (c) डी.सी. सरकार ने वर्ष 1965-66 में भारतीय पुरालेख और भारतीय पुरालेखीय शब्दावली प्रकाशित की थी।

162. राजस्थान के किस किले में जयमल और फत्ता शूरवीरों के सम्मान में 'छतरियाँ' बनाई गई थी, जिन्होंने वर्ष 1568 में सम्राट अकबर की घेराबंदी में अपने प्राण त्याग दिए थे?

(a) कुंभलगढ़ किला (b) आमेर किला
(c) चित्तौड़गढ़ किला (d) रणथंभौर किला

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-I)

Ans : (c) राजस्थान में स्थित चित्तौड़गढ़ के किले में दो छतरियाँ जयमाल एवं फत्ता जैसे शूरवीरों के सम्मान में बनाई गई थी। इनमें प्रथम चार स्तम्भों वाली छतरी शूरवीर फत्ता की जबकि अगली छः स्तम्भों वाली छतरी शूरवीर जयमल की है। वर्ष 1568 ई. में ये दोनों चित्तौड़गढ़ के राजा उदय सिंह की अनुपस्थिति में चित्तौड़गढ़ के दुर्ग के संरक्षक नियुक्त किए गए थे और उसी समय उस दुर्ग पर अकबर के आक्रमण के वक्त युद्ध करते हुए अपने प्राण त्याग दिये थे।